फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 256 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 मार्च 2025 बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

4.21लाख करोड़ का बजट पेश,तीन लाख रोजगार,नए शिक्षण संस्थान,किसानों के लिए कई नए प्रावधान,बजट में कोई नया कर नहीं

वित्तमंत्री देवड़ा ने पेश किया अगले वित्त वर्ष के लिए सरकार का विजन

युवा-महिला व किसान, लाडली योजनाओं का ध्यान, मोहन सरकार के बजट का मूलमंत्र ज्ञान

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के लिए अपने बजट में सभी लाडली योजनाओं के लिए भरसक जगह बनाई है तो कुछ महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिये भी प्रावधान किये हैं। आज विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। यह पिछले वित्त वर्ष से करीब पंद्रह फीसद अधिक है। राहत की बात यह है कि इस बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया और न ही किसी भी कर की दर को बढ़ाना प्रस्तावित किया गया है। बजट में सरकार के सभी फोकस एरिया को साधने की कोशिश की गई है। प्रदेश में 39 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की बात कही गई है। इनसे 3 लाख से अधिक रोजगार मिलेंगे। सकल घरेलू उत्पाद अगले बीस वर्ष में 250 लाख करोड तक पहुंचाने के लक्ष्य रखे गये हैं। सीएम कृषि उन्नति योजना भी शुरू की जाएगी। मप्र सरकार का बजट केंद्रीय बजट की थीम लाइन- ज्ञान यानि गरीब,युवा,अन्नदाता और नारीशक्ति के इर्दगिर्द तैयार किया गया है।

विधानसभा में बजट भाषण की शुरुआत वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने एक शेर से की। उन्होंने कहा- यही जुनून, यही एक ख्वाब मेरा है, वहां चिराग जला दूं जहां अंधेरा है। उन्होंने कहा कि जनता व जनप्रतिनिधियों की बेशुमार फरमाइशें हैं, कर सकें हम सब पूरी, ये हमारी कोशिशें हैं। इसीलिए हमने 2025-26 का बजट जीरो वेस्ट बजटिंग प्रक्रिया से तय किया है। सरकार का लक्ष्य है विकसित मध्यप्रदेश। इसका अर्थ है कि जनता का जीवन खुशहाल हो। सरकार 1 अप्रैल से डीए संशोधित करेगी लाडली बहनों को अटल पेंशन योजना से जोड़ेगी किसानों को 6 हजार सम्मान निधि देगी। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी बजट भाषण सुनने के लिए विधानसभा की दीर्घा में मौजूद रहे। बजट के बाद सीएम मोहन यादव ने कहा यह बजट आंकड़ेबाजी नहीं बल्कि समग्र विकास के लिए ठोस कदम है।

वाहन खरीद पर मोटर व्हीकल टैक्स में छूट

सरकार ने वाहन स्क्रैप योजना को प्रोत्साहित करने के लिए नई गाड़ी खरीदने पर परिवहन वाहन के लिए मोटर व्हीकल टैक्स में 15त्न जबकि गैर परिवहन वाहन के लिए 25त्न की छूट देने का भी खाका तैयार किया है। इससे सड़क से प्रदूषण की वजह बनने वाले पुराने वाहनों को हटाने में मदद का अनुमान है। इसके अलावा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए सीएम केयर योजना और परिवहन के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू होगी। देवी अहिल्या कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जाएगी। ग्रामीण नागरिकों को सस्ता और सुलभ परिवहन उपलब्ध होगा। इसके लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान।

कर्मचारियों के लिए कदम उठेंगे

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के मिजाज और मांगों को भांपते हुए कुछ कदम उठाने का संकेत दिया है। इसके तहत सातवें वेतनमान के महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण होगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन योजना लागू किए जाने की प्रक्रिया पर विचार करने उच्च स्तरीय समिति गठित होगी तथा 1 अप्रैल 2025 से सातवें वेतनमान के महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पेंशन को लेकर अभी कर्मचारी वर्ग में असमंजस की स्थिति भी है। मप्र में डिजीटल यूनिवर्सिटी व राष्ट्रीय रक्षा विवि स्थापित होगा।

कांग्रेस विधायकों ने फिर किया प्रदर्शन, सिर पर रखी पोटली

आज मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायक सिर पर पोटली रखे विस परिसर में पहुंचे। इसे कर्ज की पोटली बताया गया। इन विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया। वहीं टिमरनी से कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह कंधे पर गेहूं की फसल का गट्ठा लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा- चुनावों में घोषणा की गई थी कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपए करेंगे। ये नहीं दे रहे हैं। किसान खाद और डीएपी के लिए परेशान हो रहा है। शाह गट्ठा लेकर भीतर जाना चाह रहे थे। इसे लेकर उनकी मार्शल से बहस हो गई।

बजट के खास प्रावधान

बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा में लिए 50 करोड़ रुपए ।
सामाजिक आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिए 2 लाख 1 हजार 282 करोड़ रुपए
गृह विभाग के लिए 12876 करोड़ रुपए का बजट रखा गया। जो बीते वर्ष से 1585 करोड़ रुपए ज्यादा
जेल विभाग के लिए 794 करोड़ रुपए
धार में डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान और डिंडोरी में जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान शुरू होंगे।
प्रदेश में डिजिटल यूनिवर्सिटी और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय खुलेगा।
आगामी 5 वर्ष में उद्योगों को लगभग 30 हजार करोड़ इंसेंटिव देंगे।
खाद्यान्न योजना के लिए 7132 करोड़ रुपए।
श्रम विभाग के लिए 1808 करोड़ रुपए
आकांक्षा योजना के लिए 20 करोड़ 52 लाख
पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण के लिए एक हजार 86 करोड़
गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों के लिए योजनाओं का पैकेज होगा।राज्य स्तरीय बीमा समिति गठन होगा।
प्रसूति चिकित्सा, विवाह और अंत्येष्टि सहायता के अंतर्गत लगभग 3,917 करोड़ के हितलाभ दिए गए।
विशेष पिछड़ी जातियों के लिए 53 हजार से ज्यादा आवास बनाए जा चुके हैं। 22 नए छात्रावास बनेंगे।
नवीन योजना प्रधानमंत्री कृषक नृत्य सूर्य योजना में 447 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित।
विकसित मप्र, वर्ष 2047 तक सकल घरेलू उत्पाद 250 लाख करोड़ तक पहुंचाना।
वार्षिक आय 22 लाख 33 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य।
2024 की तुलना में बजट में 15त्न तक की वृद्धि प्रस्तावित है।
सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर देश में सबसे ज्यादा है। पिछले 22 साल में 17 गुना की बढ़ोतरी हुई है।
बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों को कुपोषण से मुक्ति आहार अनुदान के तहत 2.20 लाख महिलाओं के खातों में 1500 रुपए दिए जा रहे हैं।
विशेष पिछड़ी जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पीएम जनमन योजना में 53 हजार से अधिक आवास बनाए हैं। बच्चों की शिक्षा के लिए 22 नए छात्रावास बनेंगे। 11 लाख परिवार लाभांवित हैं।
धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान को लागू किया जाएगा। इससे 259 विकासखंडों के 11377 गांवों का कायाकल्प किया जाएगा। इससे 19 लाख जनजातीय परिवारों समेत 94 लाख परिवार लाभांवित होंगे। इसके लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

आखिरकार एक माह युध्दविराम करने के लिए तैयार हुआ यूक्रेन

अब रूस को मनाएगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन वॉर खत्म करने को लेकर अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच बैठक के कुछ नये संकेत उभरे हैं। बैठक के बाद यूक्रेन ने अमेरिका के 30-दिन का युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इसकी पुष्टि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने की। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम है। इसे स्वीकार करने के लिए यूक्रेन पूरी तरह तैयार है। अब अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह रूस को इसके लिए राजी करे। जैसे ही मॉस्को सहमति देगा, युद्धविराम तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा। सऊदी अरब के जेद्दाह में हुई इस बैठक में यूएस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज ने यूक्रेन से कई समझौते के प्रस्तावों पर चर्चा की। हालांकि, कब्जे वाले एरिया के मुद्दे पर यूक्रेनी अधिकारी किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं दिखे।

दरअसल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्वी यूक्रेन के चार बड़े क्षेत्रों (डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन, और जापोरीजिया) पर पूर्ण नियंत्रण चाहते हैं। रूस पहले ही यूक्रेन के 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर चुका है। हालांकि जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ बैठक में बहस पर अफसोस जताया था उन्होंने कहा था कि उनकी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी।

देश के मौसम में कहीं सर्दी और कहीं गर्मी

पारा 40 छूने को बेताब,पहाड़ों पर गिरने लगी बर्फ

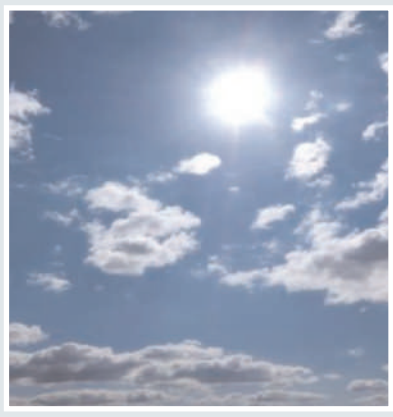

भोपाल/नई दिल्ली। देश में गर्मी का असर तीखा होने लगा है। मप्र में कई शहर में पारा 35 के पार जा रहा है। वहीं राजस्थान के बाड़मेर और जालोर में हीट वेव का आज ऑरेंज अलर्ट है। पिछले 24 घंटे के दौरान बाड़मेर में सबसे ज्यादा तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जालोर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह औसत से 7 डिग्री ऊपर है। मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में पारा 39 डिग्री पार चला गया।आज भी यहां तपन है। धार कल भी सबसे गर्म रहा था। वहीं, नर्मदापुरम में तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 37.3 डिग्री और भोपाल में 37.1 डिग्री रहा। उधर मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का यलो अलर्ट जारी किया है।

पाकिस्तानी ट्रेन अभी भी कब्जे में

ट्रेन में बंधकों के बीच बम बांधकर बैठ गए विद्रोही

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हाईजैक ट्रेन अभी भी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के कब्जे में है। ट्रेन पर सवार 30 से अधिक सैनिक मारे जा चुके हैं। सेना बंधकों को छुड़ाने के लिए हर स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। लेकिन बीएलए ने बंधकों के बीच अपने सुसाइड बॉम्बर्स को बिठा रखा है,जिससे सेना को ऑपरेशन में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। बताया जा रहा है कि यह विद्रोही अपने बंधकों का इस्तेमाल ह्यूमन शील्ड के रूप में कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, अब तक पाक सुरक्षा बलों ने 155 यात्रियों को बीएलए की कैद से सुरक्षित बचा लिया है। अब तक 27 लड़ाके मार दिए गए हैं। हमलावर अफगानिस्तान में मददगारों के संपर्क में हैं।

दिल्ली सीएम बोलीं- कोई पराठे तो खिला दो यार...

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का होली के एक कार्यक्रम में अलग अंदाज दिखा। जब लोग उनके साथ फोटो क्लिक कराने लगे तो उन्होंने कहा कि यार बस करो, हर बार एक ही जैसी फोटो आएगी। सभी को फोटो ही क्लिक करानी है, कभी कुछ खाने-पीने के लिए पूछ लिया करो, कभी पराठे तो खिलाओ। मैंने चाय-नाश्ता किया या नहीं ,ये भी कोई अब नहीं पूछता। मुख्यमंत्री के मुंह से ये बात सुनकर कार्यकर्ता भी जोश में आकर ताली बजाने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले जब मैं निगम की पार्षद बनी तो लोग हर दिन फोन करके कहते थे कि मैम आप मेरे घर आ जाइए, आज डिनर या लंच की व्यवस्था है।

अभिनेत्री की मौत के 22 साल बाद हत्या की शिकायत दर्ज

बेंगलुरू

हिंदी फिल्म सूर्यवंशम फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ नजर आ चुकीं दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सौंदर्या की मौत के 22 साल बाद अभिनेता मोहन बाबू के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज हुई है। चिट्टीमल्लू नाम के शख्स के आरोप हैं कि प्रॉपर्टी विवाद के चलते मोहन बाबू ने सौंदर्या की मौत की साजिश रची।

वह काफी समय से सौंदर्या और उनके भाई पर जमीन बेचने का दबाव बना रहे थे, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो उन्होंने उनकी हत्या करवा दी। शिकायत में ये भी आरोप लगाया गया है कि सौंदर्या की मौत के बाद एक्टर मोहन बाबू ने उनकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। ज्ञात हो कि सौंदर्या की मौत प्लेन क्रेश में हुई थी,तब वह एक राजनीतिक इवेंट में शामिल होने जा रही थीं।

मेट्रो एंकर

पिता के गिफ्ट के बाद अब देश की सबसे अमीर महिला बनीं रोशनी नाडार

सबसे बड़ी गिफ्ट... देश के अमीरों की बदल गई लिस्ट

मुंबई, एजेंसी

भारत में अब तक मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बाद अमीरी में सावित्री जिंदल की बात होती थी,लेकिन अब यह क्रम बदल गया है। जिंदल की जगह अब रोशनी नडार ने ली है। एचसीएल ग्रुप के संस्थापक शिव नाडार ने बेटी रोशनी नडार मल्होत्रा को हाल में कंपनी की 47त्न हिस्सेदारी महिला दिवस के दो दिन पहले ट्रांसफर की है। अब ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, 3.13 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ रोशनी तीसरी सबसे अमीर भारतीय हैं। रोशनी से पहले उनके पिता शिव नाडार भारत के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति थे। उनके नेतृत्व वाली एचसीएल देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। इसका मार्केट कैप 4.20 लाख करो? रुपए है। लेकिन अब आधी से ज्यादा हिस्सेदारी शिव नाडार की बेटी के पास है। रोशनी ब्रिटेन की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से कम्युनिकेशन में ग्रेजुएट हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए किया है। उन्होंने ब्रिटेन में स्काई न्यूज में बतौर प्रोड्यूसर करियर की शुरुआत की थी।

अमीरी में अंबानी अडाणी के बाद रोशनी भले ही तीसरे नंबर पर हैं लेकिन महिलाओं के मामले में उन्होंने सावित्री जिंदल को पीछे छोड़ दिया है, जो अब तक 2.63 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ भारत की सबसे अमीर महिला कारोबारी थीं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, मुकेश अंबानी 7.7 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ सबसे अमीर भारतीय बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर गौतम अडानी की संपत्ति करीब 6 लाख करोड़ रुपए है। रोशनी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल हैं। वे 'द नेचर कंजर्वेंसी' के ग्लोबल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में भी शामिल हैं। इसके अलावा वे एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी बोर्ड में इंडिपेंडेंट डायरेक्टर बिजनेस और समाज में योगदान के लिए उन्हें कई बार फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया जा चुका है।

सबसे बड़ा अधिग्रहण

रोशनी 09 में पिता की कंपनी में शामिल हुई थीं। वे 2020 में एचसीएल टेक की चेयरपर्सन बनीं। उनके नेतृत्व में कंपनी ने 13,740 करोड़ रुपए में आईबीएम के 7 प्रोडक्ट्स का अधिग्रहण किया। यह एचसीएल के इतिहास में सबसे बड़ा अधिग्रहण था।रोशनी के पिता व 79 साल के शिव नाडार दुनिया के 52वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार उनकी नेटवर्थ 34.4 बिलियन डॉलर (2.99 लाख करोड़ रुपए) है। उन्होंने 1976 में कंपनी शुरू की थी।

गर्मी के तेवर तीखे होने लगे...

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मार्च के दूसरे सप्ताह से ही शहर में गर्मी के तेवर तीखे होने लगे हैं। एक ओर दिन में तीखी धूप लोगों को बेहाल करने लगी है, वहीं तपिश के कारण अब रात में भी गर्मी का अहसास होने लगा है। सोमवार को इस सीजन का पहला सबसे गर्म दिन रहा और शहर का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री पर पहुंच गया, दिन में तपिश के कारण रात के तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री दर्ज किया गया। 17 साल बाद मार्च के दूसरे सप्ताह में ही न्यूनतम तापमान 21 डिग्री के पार पहुंचा है। इसके पहले 12 मार्च 2008 को न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री पर पहुंचा था। पिछले सालों का ट्रेंड देखे तो मार्च के तीसरे या चौथे सप्ताह से न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के पार पहुंचते हैं, लेकिन इस बार दूसरे सप्ताह में ही न्यूनतम तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दिखाई दी है। इसका कारण यह है कि इन दिनों तीखी धूप खिल रही है, साथ ही हवा का रुख भी दक्षिणी, दक्षिण पूर्वी होने लगा है।

माननीयों की रोड चमाचम, आमजन की सड़कें बदहाल

कटारा जाने वाले मुख्य मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे, वहीं चार इमली, 75 बंगला, वल्लभ भवन की सड़कें कई बार बनाई जा रहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिन इलाकों की सड़कों से माननीय के दौरे होते हैं या आवाजाही करते हैं वहां साल में कई बार सड़कें बनाई जा रही है, लेकिन जहां से आमजनों का अवागमन होता है वह सड़क पिछले दस सालों से बदहाल हैं। चार इमली,75 बंगला,वल्लभ भवन सहित आसपास की अन्य सड़कें बार-बार बनाई जा रही हैं, सामुदायिक भवन के आसपास गोधूलि पार्क के सामने एचआईजी एमआइजी सामने कटारा जाने वाले मुय मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं जिसके मेंटेनेंस या नवनिर्माण को लेकर कोई पहल नहीं की जा रही है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी के रहवासी नगर निगम के अधिकारी और जनप्रतिनिधियों पर भेदभाव करने का आरोप लगा रहे हैं।

बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी के रहवासियों ने बताया बदहाल सड़क की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि कॉलोनी की सड़क का नए सिरे से निर्माण किया जाना जरूरी है क्योंकि इससे ना बनने रहवासी,राहगीर और वाहन चालकों को जमकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलानी की सड़कों रिनोवेशन जरूरी है क्योंकि इन दिनों सड़कों में गड्ढे की गड्ढे ही दिखाई दे रहे हैं जिससे वाहन चालक और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विकास के लिए तरस रहे वार्ड-55 के लोग

बा ग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में सामुदायिक भवन के आसपास गोधूलि पार्क के सामने रेयान स्कूल एचआईजी एमआइजी, हैप्पी डेज पब्लिक स्कूल के सामने कटारा जाने वाले मुय मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं लो लोर बस एवं वाहनों को निकलने में रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पिछले दस सालों से कॉलोनी की अधिकांश सड़कों का ना तो नए सिरे निर्माण किया गया है और रिनोवेशन। कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि नगर निगम के जिमेदार अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि कायाकल्प अभियान के तहत भी इन सड़कों को नहीं बनवा पा रहे हैं। जबकि शहर के अन्य इलाकों की सड़कें बन रही हैं। शहर सरकार बागमुगालिया के कालोनीवासियों के साथ भेदभाव कर रही है। जिसका खामियाजा वार्ड नंबर 55 के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। यह अकेला बाग मुगालिया क्षेत्र का मामला नहीं है। राजधानी के कई क्षेत्रों में सड़कों की हालत बदतर होती जा रही है। जिस पर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर नहीं जा रही है। ऐसे में इस समस्या का सामना आम जनता को ही करना पड़ रहा है। यह दिक्कतें कब खत्म होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

बीयू में विद्यार्थियों ने सीखी हर्बल गुलाल तैयार करने की प्रक्रिया

कार्यशाला का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय हर्बल गुलाल तैयार करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हर्बल गुलाल बनाने की प्रक्रिया से परिचित कराना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना हैं। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता तिलवारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र जो भी सीखेंगे, उसे वे भविष्य में छोटे पैमाने के व्यवसाय के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देते हैं और उन्हें इस प्रकार के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुमन मिश्रा, वनस्पति विज्ञान की वैज्ञानिक, विंध्य हर्बल, भोपाल उपस्थित थीं। उन्होंने छात्रों को गुलाल तैयार बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताया।

प्रोजेक्ट्स के लिए एक लाख की राशि

जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. गर्ग ने इस कार्यशाला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के रोजगार उन्मुख कार्यक्रम छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक होते हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्रों में स्वरोजगार की भावना जागृत होती है। इसके साथ ही, विश्वविद्यालय की ओर से इनक्यूबेशन केंद्र का गठन किया गया है, जो छात्रों को उनके प्रोजेक्ट्स के लिए एक लाख तक की राशि प्रदान करेगी, ताकि वे अपने मॉडल और प्रोजेक्ट अध्ययन पर काम कर सकें।

सिंधु समाज ने चैतीचांद शोभा यात्रा को अंतिम रूप दिया

दो दिवसीय उत्सव को अंतिम रूप दिया सिंधु समाज ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

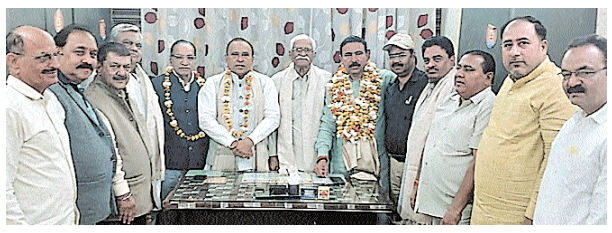

संतनगर भगवान झूलेलाल का अवतरण दिवस चैतीचांद संतनगर में मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर सामाजिक संस्था सिंधु समाज के पदाधिकारीगण, कार्यकारी सदस्य, संरक्षक, सलाहाकार एवं प्रमुख लोगों की बैठक हुई, जिसमें तय किया गया कि पूरे संतनगर में संयुक्त रुप से शोभायात्रा निकाली जाएगी। झूलेलाल कल्याण मण्डलम एवं सिंध एकता युवा समिति सीआरपी से सहमति ले ली गई है। चैतीचांद कार्यक्रम संयोजक कन्हैयालाल इसरानी व महासचिव भरत आसवानी ने बताया कि झूलेलाल का अवतरण दिवस के दिन 30 मार्च को शाम 4 बजे पूज्य बहिराणा साहिब की जोत प्रज्जलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद भगवान झूलेलाल की भव्य शोभा यात्रा सिंधु समाज से निकाली जाएगी। शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान झूलेलाल की झांकी के साथ संत महात्माओं की झाकियां आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम 31 को: 31 मार्च सोमवार को सिंधी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रात्रि 8 बजे हेमू कालाणी दशहरा मैदान संत नगर में रखा गया है, जिसमें मुंबई के जतिन अपने साथी कलाकारों के साथ रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। बैठक में मुख्य रुप से नरेश तोलानी, चंद्रप्रकाश इसरानी, मनोहर वीधानी, हरीश मेहरचंदानी, भरत आसवानी, पुरुषोत्तम हरचंदानी, माधव पारदासानी, दयाल दोलतानी, प्रकाश देवनानी, सुरेश तलरेजा, अटल मेघानी, राजेश बेलानी सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साधु वासवानी स्कूल में कंडों की होली जलेगी

हिरदाराम नगर. साधु वासवानी स्कूल मैदान में 13 मार्च को शाम साढ़े पांच बजे कंडों की होलिका का दहन किया जाएगा। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने बताया कि संतनगर में वनों को सुरक्षित रखने के लिए लकड़ियों की जगह कंडों की होली जलाने की शुरूआत पांच दशक पहले हुई थी, जिसके चलते संतनगर के कई विद्यालयों में होली पर कंड़ों की होली जलाई जाती है। गेहानी ने लोगों से पर्व का उत्साह और उमंग से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा है गुलाल, फूल से होली खेलें। पानी का कम से कम उपयोग करें। साथ ही विद्यार्थियों से आव्हान किया है कि कैमीकल युक्त रंगों से होली न खेलें इससे आंखों और त्वचा संबंधी बीमारियां होती है इसके स्थान पर गुलाल व फूलों की होली मनाएं।

प्राकृतिक चिकित्सा रोग निवारण प्रशिक्षण शिविर का समापन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में दस शिविर का समापन हुआ, इससे पहले अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी और स्वस्थ रहने के लिए शिविर के अनुशासन को बनाए रखने को कहा। शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। शिविर के प्रारंभ में मेडिकल डायरेक्टर डॉ गुलाब टेवानी ने कहा कि शिविर में प्राकृतिक उपचार व प्राकृतिक व्यंजन से बदलाव आया है। दस दिनों के दौरान जो दिनचर्या में बदलाव किया। साधकगण घर पर भी स्वयं एवं अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं। शिविर में आए साधकों ने दस दिनों के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक व्यंजन द्वारा कैसे जीवन शैली में परिवर्तन किया, अपने अनुभव उन्होंने साझा किया। शिविर में आहार विशेषज्ञ धरती बेन ठक्कर ने कहा तन शुद्ध करना है तो सबसे पहले मन की शुद्धी करनी पडेगी। उन्होंने कहा कि आज कल सब दवा व दर्द रहित जीवन जीना चाहते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा उत्तम में उत्तम हैं क्योंकि इसमें रोगों का निवारण जड़ से होता हैं। उन्होंने कहा कि आहार से ही हमारे जीवन में व्यवहार बनता हैं, यदि आप प्राकृतिक आहार लेते हैं तो आपके घर में कोई व्यक्ति बीमार नहीं हो सकता हैं। अंतिम पढ़ाव में डॉ. लता टेवानी ने आभार व्यक्त किया। आगामी कैम्प 13 मार्च से 22 मार्च 2025 को आयोजित किया जाएगा।

ज्योतिष विचार मंच के राजेश अध्यक्ष और भावेश सचिव बने

हिरदाराम नगर. हिरदाराम नगर. मध्यप्रदेश के विशेषज्ञ ज्योतिषियों के समूह ज्योतिष विचार मंच भोपाल ने अपना रजत जयंती वर्ष मनाया। संस्था का पुनर्गठन किया गया है, वरिष्ठ संरक्षक कपिल देव तिवारी द्वारा नई कार्यकारिणी का गठन किया है। अध्यक्ष राजेश सोनी एवं सचिव भावेश श्रीवास्तव का सर्वसम्मति से चयन हुआ। साथ ही नई कार्यकारणी में ज्योतिष विचार मंच के सदस्यों को विभिन्न कार्यभार सौंपे गएञ आर पी तिवारी एवं टी डी आडवाणी का महामंत्री के रूप में चयन किया गया। बता दें श्रीएम एस श्रीवास्तव द्वारा स्थापित मंच ने अपने 25 वर्ष में प्रवेश कर लिया है। मंच ने बीते 25 वर्षों में समाज के हित में ज्योतिष सेवाओं से संबंधित कार्य निशुल्क शिक्षा एवं वरिष्ठ ज्योतिषियों के सम्मान एवं शोध कार्य में योगदान दिया। ज्योतिष विचार मंच की स्थापना के बाद इंदौर, उज्जैन, देवास, एवं देश के विभिन्न शहर में ज्योतिष विचार मंच के सदस्य ज्योतिष की सेवाओं में कार्य कर रहे हैं साथ ही वार्षिक सम्मेलन का आयोजन भी जाता है।

मेट्रो एंकर दिन में खानपान की दुकानें सजी, बाजार में नए कपड़े भी खरीदे जा रहे

रमजान : चौक बाजार में देर रात तक हो रही चहल-पहल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रमजान शुरू होते ही शहर के अधिकांश मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में बाजार लेट नाइट तक खुलना शुरू हो गए। रमजान के पूरे महिने चौक और इससे लगे बाजारों में रविवार छुट्टी के दिन विशेष बाजार भी लगने लगा है। इस बार रमजान में पांच रविवार पड़ेंगे, जिसमें चौक व इससे लगे बाजार में रमजान का बाजार विशेष रूप से लगेगा। कुछ स्थानों पर शुक्रवार से ही रोजेदारों के लिए फैनी, शीरमॉल की दुकानें लग गई हैं।

रात नौ बजे के बाद निकलते रोजेदार: लोगों ने बताया कि रोजेदार गर्मी में दिनों में दोपहर के समय घरों से जरुरत पड़ने पर ही बाहर निकलते हैं। शाम को रोजा खोलने के बाद भी भीड़ नहीं बढ़ती है, लेकिन तराविया पढ़ने के बाद रात 9 बजे के बाद घरों से खरीदारी, खान-पान के लिए निकलते हैं। रमजान की महिने में पुराने शहर में कई सार्वजनिक चौराहों और मार्केट में लोगों की भीड़ रात के 11 बजे के बाद भी देखी जा रही है। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि रोजेदार रात में 9-10 बजे के बाद भी तराविया पढ़ने के बाद बाहर निकल पाते है। रोजे होने के कारण दिन में भी वह कम ही निकलते हैं। ऐसे में पुराने शहर में प्रशासन को रमजाने के महिने में मार्केट खोलने में ढील देना चाहिए।

देर रात तक खुलती है खान पान की दुकानें: आमतौर पर मार्केट रात 11 बजे तक बंद होता है, लेकिन रमजान शुरू होते ही दुकानों के बंद होने का समय बढ़ गया है। इतवारा, बुधवारा, कांजी कैम्प, लक्ष्मी टॉकीज एरिया, जहांगीराबाद आदि में चाय-पान और सेहरी वालों की दुकानें देर रात तक खुलने लगी है। रोजे के लिए खानपान के सामाने की खरीदारी बाजार में शुरू हो गई है। लोगों की भीड़ भी दुकानों पर बढ़ने लगी है।

भोपाल। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा आज सुबह बजट पेश करने के लिए घर से निकलने के पहले पूजा अर्चना की।

भोपाल। विधानसभा के समिति कक्ष में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई जिसमें बजट का अनुमोदन किया गया।

4 ऐतिहासिक धरोहर यूनेस्को की संभावित सूची में, बढ़ेगा पर्यटन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र की 4 ऐतिहासिक धरोहर सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी व गुप्तकालीन मंदिर और बुंदेला शासकों के महल व किले को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल कर लिया है। इसका फायदा पर्यटन को बढ़ावा देने में मिलेगा। इन धरोहरों से जुड़े क्षेत्रों में रोजगार व स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान भी मिलेगी। आगे इन्हें स्थाई सूची में जगह मिल सकती है।

उल्लेखनीय है कि यूनेस्को ने बीते वर्ष प्रदेश की 6 धरोहर ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खुनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित रामनगर के गोंड स्मारक और धमनार का ऐतिहासिक समूह को संभावित सूची में शामिल किया था। अब यूनेस्को की सूची में मप्र की 18 धरोहर है।

इनमें से 3 स्थाई और 15 संभावित सूची में है। इसके अलावा यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में प्रदेश के खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं एवं सांची स्तूप विश्व प्रसिद्ध धरोहर स्थल स्थायी सूची में शामिल है। जबकि संभावित सूची में मांडू के स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी भी शामिल है।

यूनेस्को की संभावित सूची में अब सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी व गुप्तकालीन मंदिर और बुंदेला शासकों के महल-किले

जानें किसे किसलिए किया संभावित सूची में शामिल

मौर्यकालीन अशोक के शिलालेख

मौर्यकालीन अशोक के शिलालेख स्थल भारत के प्राचीनतम लिखित अभिलेख हैं। इन शिला और स्तंभ लेखों में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म, शासन और नैतिकता से संबंधित संदेश अंकित हैं, जो 2,200 से अधिक वर्षों से संरक्षित हैं। मध्य प्रदेश में पर्यटक सांची स्तंभ अभिलेख, जबलपुर में रूपनाथ लघु शिलालेख, दतिया में गुज्जरा लघु शिलालेख और सीहोर में पानगुरारिया लघु शिलालेख को शामिल किया गया है।

चौंसठ योगिनी मंदिर

9वीं से 12वीं शताब्दी के बीच निर्मित चौंसठ योगिनी मंदिर तांत्रिक परंपराओं का प्रतीक हैं। इन मंदिरों की गोलाकार, खुले आकाश के नीचे बनी संरचनाएं, जटिल शिल्पकला और आध्यात्मिक महत्व अद्वितीय हैं। इसमें खजुराहो, मितावली (मुरैना), जबलपुर, बदोह (जबलपुर), हिंगलाजगढ़ (मंदसौर), शहडोल और नरेसर (मुरैना) के चौसठ योगिनी मंदिर को शामिल है।

उत्तर भारत के गुप्तकालीन मंदिर

सांची, उदयगिरि (विदिशा), नचना (पन्ना), तिगवा (कटनी), भूमरा (सतना), सकोर (दमोह), देवरी (सागर) और पवाया (ग्वालियर) में स्थित गुप्तकालीन मंदिर को यूनेस्को द्वारा शामिल किया है। गुप्तकालीन मंदिर भारतीय मंदिर वास्तुकला में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाते हैं। मंदिर उत्कृष्ट नक्काशी, शिखर शैली और कलात्मक सौंदर्य को प्रदर्शित करते हैं।

बुंदेला काल के किला-महल

बुंदेला काल के गढ़कुंडार किला, राजा महल, जहांगीर महल, दतिया महल और धुबेला महल, राजपूत और मुगल स्थापत्य कला के बेहतरीन संगम को दर्शाते हैं। ये महल बुंदेला शिल्पकला, सैन्य कुशलता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अद्भुत मिसाल है।

कर्ज चढ़ा तो सालाना कमाई भी 13 हजार बढ़ी कई राज्य मप्र से आगे

- सरकार ने विधानसभा में पेश की वर्ष 2024-25 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट

- रिपोर्ट में दावा- प्रति व्यक्ति आय में 12 हजार 902 रुपये हुई

- जबकि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 11.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी

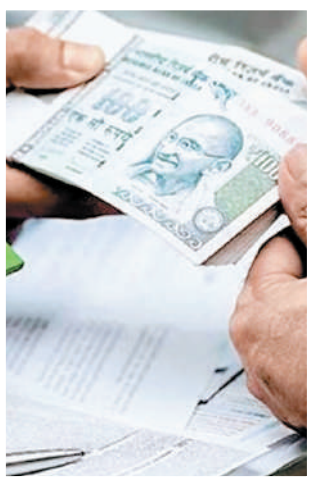

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जिस तेजी से मप्र पर कर्ज चढ़ रहा है, उसी तेजी से विकास भी हो रहा है। इसका असर आम आदमी के जीवन पर दिखाई देने लगा है। प्रति व्यक्ति सालाना आय 13 हजार रुपये बढ़ी है तो प्रदेश पर 3 लाख 75 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज हो चुका है, जो अप्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक व्यक्ति पर चढ़ रहा है। हालांकि मप्र बीते वर्षों की तुलना में ग्रोइंग स्टेट की ओर तेजी से बढ़ रहा है लेकिन कई क्षेत्रों में दूसरे राज्यों से पीछे है। प्रति व्यक्ति सालाना आय की बात की जाए तो दूसरे कई राज्यों की स्थिति मप्र से अच्छी है।

असल में मोहन सरकार ने मंगलवार को मप्र विधानसभा में वर्ष 2024-25 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश क दी है, जिसमें आय बढ़ने की बात सामने आई। जबकि सरकार पर कर्ज का ब्यौरा पहले से सर्वविदित है।

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर प्रति व्यक्ति आय 152615 रुपये व स्थिर भाव पर 70434 रुपये रही, जो कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में क्रमशः 139713 व 67301 थी। इस तरह प्रचलित भाव पर प्रति व्यक्ति आय में 12902 रुपये व स्थिर भाव पर प्रति व्यक्ति आय में 3133 रुपये की बढ़ोतरी हुई, जो शुभ संकेत माना जा रहा है। वर्ष 2020-21 में प्रचलित भावों के आधार पर प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 1 हजार 958 रुपये थी।

भोपाल। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले का घेराव कर पुतला दहन किया गया। अहिरवार ने कहा कि प्रदेश में दलितों के साथ हर दिन अन्याय, अत्याचार और शोषण की घटनाएं सामने आ रही हैं। बुधनी के ग्राम बकतरा में दलितों का सामाजिक रूप से बहिष्कार हुआ।

मध्यप्रदेश में सिर्फ बजट का आकार बढ़ा खर्च नहीं कर रही मोहन सरकार: कांग्रेस

भोपाल। बजट पेश होने से पहले मप्र कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार मप्र के समावेशीय और अधोसंरचना विकास के साथ लगातार कुठाराघात कर रही है। महज सुर्खियां बटोरने के लिए लाखों करोड़ के बजट की घोषणा की जाती है। मगर बजट की बहुत बड़ी राशि खर्च ही नहीं की जाती है, न केंद्र सरकार पर्याप्त निधियां भेजती हैं न ही राज्य की सरकार अपने हिस्से की राशि खर्च करती है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के मुकेश नायक और अभय दुबे ने आंकडों के दावे के साथ कहा कि ऑडिटर जनरल ने अपनी 2024 की रिपोर्ट में तो यहां तक लिख दिया कि प्रदेश की सरकार अवास्तविक प्रस्तावों के आधार पर बजट का आलोकेशन करती है, उसके खर्च का मॉनिटरिंग मेकेनिजम बहुत घटिया है। उसकी योजनाओं को लागू करने की क्षमताएं बेहद कमजोर हैं और विकास की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। अभय दुबे ने कहा कि 2024-25 के बजट की मात्र 61.60 प्रतिशत राशि खर्च की गई, कुल बजट प्रावधान 385924.09 करोड़ था और इसमें से 238025.98 करोड़ रू. अर्थात 61.60 प्रतिशत राशि ही खर्च की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र से प्राप्ति योग्य 37652.74 करोड़ रू. था, मगर केंद्र से अब तक मात्र 19136.65 करोड़ रू. प्राप्त हुआ अर्थात केंद्र से प्राप्ति का मात्र 50.82 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस ने मांग की कि, बीते तीन साल के बजट के प्रावधान और उसके खर्च पर भाजपा सरकार एक श्वेत पत्र लाए।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 11.05 फीसदी बढ़ोतरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 11.05 फीसद की बढ़ोतरी हो चुकी है। वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर यह 15,03,395 करोड़ रुपये रहा, जो वर्ष 2023-24 में 1353809 करोड़ रुपये था। वहीं वर्ष 2024-25 में स्थिर भावों पर जीएसडीपी 712260 करोड़ है, जो वर्ष 2023-24 में 671636 करोड़ रुपये रहा था। इसमें 6.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सरकार का दावा है कि इसे अगले विधानसभा चुनाव के पहले 30 करोड़ करेंगे। कुल मिलाकर राज्य सरकार अब और अधिक कर्ज ले सकेगी।

2024-25 के आर्थिक सर्वेक्षण की मुख्य बातें

- मप्र के सकल मूल्य वर्धन में प्रचलित भावों पर प्राथमिक क्षेत्र में 44.36 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र में 19.03 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र में 36.61 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।
- राजस्व अधिशेष रुपये 1700 करोड़ रहने का अनुमान है, जबकि राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 4.11 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। राजस्व प्राप्तियां रुपये 263344 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान।
- कृषि फसल क्षेत्र का प्राथमिक क्षेत्र के तहत योगदान 30.90 प्रतिशत रहा लेकिन प्रचलित भाव पर यह 10.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि स्थिर भाव में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- पशुधन क्षेत्र में 7.45 प्रतिशत का योगदान रहा। इसकी वृद्धि स्थिर भाव पर क्रमशः 11.93 प्रतिशत एवं 8.39 प्रतिशत रही।
- द्वितीयक क्षेत्र में 2.73 लाख करोड़ रूपये के सकल मूल्य वर्धन तक पहुंचा। औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 145.13 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की। दिसंबर 2024 तक 4.17 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त मिले।
- सामाजिक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बजटीय आवंटन किए। जिसमें पिछले चार वर्षों में 82.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समस्त बाल विकास को प्राथमिकता देते हुए राज्य के कुल बजट का 21.6 प्रतिशत बजट आवंटित किया।
- स्वास्थ्य क्षेत्र में 15744 करोड़ रुपये तक पहुंचा। आयुष्मान भारत योजना के तहत 4.85 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किए
- शिक्षा का बजट 11.26 प्रतिशत आवंटित किया। सीएम राईज स्कूल योजना के तहत 274 स्कूलों का निर्माण प्रगति पर है। व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किये किए। उच्च शिक्षा के तहत 1346 महाविद्यालय में 10.5 लाख सीट उपलब्ध। कौशल विकास मिशन के तहत 3.49 लाख छात्रों को व्यावसयिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया
- राज्य अधिसूचित वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर तथा वनावरण 77.07 हजार वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ अग्रणी स्थिति पर। प्रदेश का भू-जल संसाधन 35.90 बीसीएम पहुंचा।
- वर्ष 2023-24 में खनिज उत्पादन मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 16.71 प्रतिशत अधिक रहा है। माइनिंग कान्क्लेव 2024 में 19250 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 472.28 करोड़ का बजट दिया। राज्य में 10 आईटी पार्क एवं 4 आईटी एसईजेड विकसित किए। प्रदेश में 4895 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप कार्यरत।

संपादकीय

कोशिशों और असर में फर्क

चोटें और जख्म यदि जल्द ठीक न हों तो बहुत तकलीफ देते हैं। मणिपुर में अशांति और हिंसा का मामला भी ऐसा ही है। इस पहाड़ी राज्य में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए,बे लगभग बेअसर रहे और उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही। इस राज्य में हिंसा की शुरूआत को दो वर्ष होने को आए हैं। इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ। इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो। यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था। राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई। यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है। अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं। मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले। सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है। लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवत- वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं। ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है। कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। जाहिर है कि मणिपुर में अब तक अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह बहुत त्रासद है और सरकारों की इच्छाशक्ति पर भी सवाल उठाता है।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आपकी सोच का दूरदर्शी होना बेहद जरूरी है।
- श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1992 - मारिशस गणराज्य घोषित।
- 1993 - मुंबई में कई बम धमाके हुए और उनमें 300 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए।
- 1998 - प्रथम टर्बोनेट इंजन निर्माता हेन्स जोशिम पाबस्ट वान ओहेन का निधन।
- 2003 - सर्बिया के प्रधानमंत्री जोरान जिनजिब की बेलग्रेड में हत्या।
- 2004 - दक्षिण कोरियाई संसद में महाभियोग पारित होने के बाद राष्ट्रपति रोह मू हुन पद से निलम्बित
- -लाहौर में दसवाँ दक्षेस लेखक सम्मेलन प्रारम्भ।
- 2006 - ईराक में सद्दाम हुसैन के विरुद्ध मुकदमे की सुनवाई प्रारम्भ।
- 2007 - जमैका में 9वें विश्वकप क्रिकेट का उद्घाटन हुआ।
- 2008 -पुदुचेरी के उपराज्यपाल मुकुट मिथी ने अपने पद से इस्तीफा दिया। केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने नागालैण्ड में राष्ट्रपति शासन हटाने का निर्णय लिया।
- 2009 - वायुसेना में आपरेशंस निदेशालय के पहले महानिदेशक के तौर पर एयर मार्शल डीसी कुमारिया ने कार्यभार सम्भाला।
- 2018 - नेपाल के त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र में यूएस-बांग्ला एयरलाइन्स का विमान दुर्घटनाग्रस्त, कम से कम 51 लोगों की मृत्यु।
- 1911 - दयानंद बांदोदकर - गोवा के भूतपूर्व प्रथम मुख्यमंत्री थे का जन्म।
- 1913 - यशवंतराव चव्हाण- भारतीय राजनीतिज्ञ एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री का जन्म।
- 1950 -हरमोहिन्दर सिंह बेदी - हिंदी लेखक, एक शिक्षाविद और भारतीय राज्य पंजाब के अकादमिक प्रशासक का जन्म।
- 1962 - एस. दामोदरन- तमिलनाडु के प्रसिद्ध समाजिक कार्यकर्ता हैं का जन्म।

निशाना

भर रहे हुंकार !

-कृष्णेन्द्र राय

जाएंगे वो दिल्ली ।
भर रहे हुंकार ।।
अधिकारों के खातिर ।
आना सब इस बार ।।
है करना अवश्य ।
हमको आर-पार ।।
इसी महीने होना ।
कस कमर तैयार ।।
लड़नी है लड़ाई ।
ना सुनती सरकार ।।
रास्ते में हक के ।
सहन न इस प्रकार ।।
फैलाया संदेश ।
बन रहा विचार ।।
कब तक आखिर हम ?
रहें यूं लाचार ।।

असंतुलित आर्थिक नीतियां बढ़ा रही हैं अमीरी गरीबी की खाई

■ योगेन्द्र योगी

देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13-14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरी और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं।आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावधान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा !

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपये तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और कुल लोन का 13 प्रतिशत है। अमीर-गरीब के बीच की खाई भारत में कभी छिपी नहीं रही है। यह खाई और चौड़ी हो गई है। माइक्रोफाइनेंस का मतलब है गरीब परिवारों को बिना गारंटी के लोन देना। इन परिवारों की सालाना कमाई 3 लाख रुपये से कम होती है। ज्यादातर महिलाएं इन लोन का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ज्यादा लोन देने की होड़ में हालात बिगड़ गए हैं। बंधन बैंक, इंडसइंड, आईडीएफसी फर्स्ट जैसे बैंकों के एनपीए बढ़ गए हैं। बंधन बैंक के 56,120 करोड़ रुपये के लोन में से 7.3 प्रतिशत एनपीए हो चुके हैं। एनपीए वो कर्ज है जिसकी कोई भी किश्त 180 दिनों तक चुकाने में लेनदार असफल हो जाता है। इसके बाद बैंकों को इस तरह के लोन को एनपीए में डालना होता है। हालांकि इस लोन की वसूली की कोशिश जारी रहती है और कई बार ये पूरा या आंशिक तौर पर वापस मिल जाता है।

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी।

आंकड़ों के मुताबिक 91 से 180 दिन का बकाया लोन कुल आउटस्टैंडिंग का 3.3 फीसदी है, जबकि 180 दिन से ज्यादा बकाया लोन 9.7 प्रतिशत है। माइक्रोफाइनेंस को लेकर अब संस्थान भी सतर्कता बरत रहे हैं। क्योंकि उन्हें एनपीए अभी और बढने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन पर रिस्क वेट घटाया इसी बीच बिजनेस लोन पर जोखिम वेट 125 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है, जिससे बैंकों को राहत मिलेगी। छोटे बैंकों को हो रहे नुकसान को देखते हुए इस नियम में बदलाव से इन्हें फायदा मिल सकता है। देश में बढ़ती आर्थिक असमानता की तरफ पूर्व में चेतावनी मिल चुकी है। 12 अप्रैल 2024 को पेरिस स्थित शोध संगठन वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की ओर जारी एक शोधपत्र में बताया गया था कि देश के शीर्ष एक फीसद तबके की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। शोधपत्र के निष्कर्षों में कहा गया है कि साल 2023 तक सबसे अमीर एक फीसद भारतीयों के पास देश की आय का 22.6 फीसद और संपत्ति का 40 फीसद हिस्सा था। इनकम ऐंड वेल्थ इनइक्वेलिटी इन इंडिया, 1922-2023 द राइज ऑफ बिल्यनेर राज शीर्षक वाले शोधपत्र के अनुसार आजादी के बाद से 1980 के दशक की शुरुआत तक गैर-बराबरी में कमी आई थी लेकिन इसके बाद इसमें बढ़ोतरी शुरू हो गई और 2000 के दशक की शुरुआत में यह बहुत तेज गति से बढ़ी। देश के शीर्ष एक फीसद लोगों ने 2022-23 में औसतन 53 लाख रुपए कमाए, जो औसत भारतीय की आय से 23 गुना अधिक है जिसने 2.3 लाख रुपए की आय सृजित की। देश के निचले पायदान के 50 फीसद और बीच के 40 फीसद लोगों की औसत आय क्रमश 71, 000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.3 फीसद) और 1,65,000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.7 फीसद) रही सबसे अमीर 9,223 लोगों (9.2 करोड़ वयस्क भारतीयों में से) ने औसतन 48 करोड़ रुपए कमाए (औसत भारतीय आय से 2,069 गुना)। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद निजी उद्यम में वृद्धि और पूंजी बाजार की वृद्धि ने शीर्ष के कुछ ही लोगों के हाथों में संपत्ति का सिमटना बढ़ाया है। उदारीकरण के बाद से सेवा की अगुआई में हुई आर्थिक वृद्धि के भी असमानताकारी असर हुए। इस पूरे हालात से साफ है कि भारत की खपत ग्रोथ संतुलित नहीं है। एक तरफ जहां अमीर और अमीर हो रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब जिसके लिए आने वाले समय में सरकार को बड़े कदम उठाने होंगे जिससे आर्थिक असमानता कम हो सके।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

खुशहाल होली और हरित होली, आखिर कैसे निभाएं परंपरा निभाएं और बचाएं पर्यावरण

■ जयसिंह रावत

होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, जहां लोग प्रेम और उत्साह के साथ एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और होलिका दहन की परंपरा प्रह्लाद की भक्ति और हिरण्यकश्यप के अहंकार के अंत की कथा से जुड़ी हुई है। यह त्योहार समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा देता है, जहां जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाकर सभी लोग मिलकर इसे मनाते हैं।किंतु बदलते समय के साथ होली मनाने का तरीका भी बदल गया है। पहले जहां यह पर्व प्राकृतिक रंगों और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाता था, वहीं आज इसमें रासायनिक रंग, पानी की बर्बादी, प्लास्टिक कचरा और हुड़दंग जैसी समस्याएं भी शामिल हो गई हैं। वर्तमान में मनाई जा रही होली का पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की हानि होती है और कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम अपनी परंपराओं का सम्मान करते हुए, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी निभाएं और होली को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।होली के दौरान पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कई कारक देखे जाते हैं, जिनमें मुख्य रूप से रासायनिक रंगों का प्रयोग, पानी की अत्यधिक बर्बादी और होलिका दहन से उत्पन्न वायु प्रदूषण शामिल हैं। पहले होली में प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता था, जो फूलों, चंदन, हल्दी और अन्य हर्बल चीजों से बनाए जाते थे। लेकिन आज बाजार में मिलने वाले अधिकतर रंग सिंथेटिक होते हैं, जिनमें लेड, पारा, क्रोमियम और अन्य भारी धातुएं होती हैं। ये रंग न केवल त्वचा और आंखों के लिए हानिकारक होते हैं, बल्कि जल स्रोतों को भी प्रदूषित करते हैं। होली के बाद जब ये रंग पानी में बहाए जाते हैं, तो ये नदियों, तालाबों और झीलों में घुलकर जलीय जीवों के लिए खतरा पैदा करते हैं।

होलिका दहन भी पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। परंपरागत रूप से यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, लेकिन वर्तमान में इसे गलत तरीके से अपनाया जाने लगा है।

बड़ी संख्या में लकड़ी जलाने से न केवल वनों की कटाई को बढ़ावा मिलता है, बल्कि इससे उत्पन्न धुआं वायु प्रदूषण को भी बढ़ाता है। कुछ स्थानों पर लोग प्लास्टिक, कचरा और अन्य हानिकारक पदार्थ जलाते हैं, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य जहरीली गैसें निकलती हैं। इससे न

केवल पर्यावरण दूषित होता है, बल्कि सांस की बीमारियां भी बढ़ती हैं। इसके अलावा, होली खेलने में पानी की अत्यधिक खपत होती है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में पानी के गुब्बारों और रंगों से भीगे कपड़ों को धोने के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद होता है। कई शहर और गांव पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं, ऐसे में होली के दौरान पानी का असावधानीपूर्वक उपयोग पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमें यह समझना होगा कि पानी एक अनमोल संसाधन है और इसकी बर्बादी को रोकना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। होली को खुशी और मेल-जोल का पर्व माना जाता है, लेकिन कई बार यह अनुशासनहीनता और हुड़दंग का रूप भी ले लेता है। कई जगहों पर होली के नाम पर शराबखोरी, अभद्रता और जबरदस्ती रंग लगाने जैसी घटनाएं देखने को मिलती हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह त्योहार असहज हो सकता है, क्योंकि कई बार लोग जबरन रंग लगाने और छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को ÷होली का मजाक÷ कहकर टालने की कोशिश करते हैं। यह न केवल सामाजिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि त्योहार की पवित्रता को भी दूषित करता है।

इसके अलावा, कुछ लोग होली के दौरान तेज आवाज में डीजे और पटाखों का उपयोग करते हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। यह विशेष रूप से वृद्ध लोगों, बीमार व्यक्तियों और छोटे बच्चों के लिए परेशानी का कारण बनता है। त्योहार का आनंद उठाना सभी का अधिकार है, लेकिन यह दूसरों की असुविधा का कारण नहीं बनना चाहिए। इसलिए होली को संयम और मर्यादा के साथ मनाना आवश्यक है, ताकि यह वास्तव में भाईचारे और आनंद का प्रतीक बना रहे। होली को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना मुश्किल नहीं है, बस इसके लिए थोड़ी जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का उपयोग करना चाहिए। फूलों से बने रंग, हल्दी, चंदन और मेंहदी जैसे विकल्प न केवल पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं, बल्कि त्वचा और स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसके अलावा, यदि बाजार में हर्बल रंग उपलब्ध नहीं हैं, तो घर पर ही आटा, बेसन या मैदा से सूखा गुलाल तैयार किया जा सकता है।

पानी की बचत के लिए सूखी होली मनाने पर जोर दिया जाना चाहिए। रंगों से खेलने का आनंद सूखे गुलाल से भी लिया जा सकता है, जिससे पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है। यदि पानी का उपयोग करना ही है, तो इसे सीमित मात्रा में और सोच-समझकर किया जाए। पानी के गुब्बारों और पिचकारियों के अनावश्यक उपयोग से बचना चाहिए, क्योंकि इससे पानी की खपत बढ़ती है और कई बार चोट लगने की घटनाएं भी होती हैं।होलिका दहन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पारंपरिक लकड़ी के बजाय गोबर के उपले और कृषि अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। इससे लकड़ी की कटाई कम होगी और वायु प्रदूषण भी नियंत्रित रहेगा। कुछ स्थानों पर सामूहिक होलिका दहन की परंपरा शुरू की जा रही है, जिसमें एक ही स्थान पर सभी लोग मिलकर होली जलाते हैं, जिससे लकड़ी की बर्बादी कम होती है। इस तरह की पहल को अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए। साथ ही, होली के दौरान स्वच्छता बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। त्योहार के बाद प्लास्टिक की पन्नियों, रंगों और अन्य कचरे को इधर-उधर न फेंकें। सफाई का विशेष ध्यान रखें और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखें। यदि हम अपने आस-पास के लोगों को भी सफाई के महत्व के बारे में जागरूक करें, तो यह त्योहार और भी अधिक सकारात्मक और अर्थपूर्ण बन सकता है।

रंग ऐसे खेलें जो दिलों को जोड़ें-इस बार होली मनाते समय संकल्प लें कि हम प्राकृतिक रंगों का उपयोग करेंगे, पानी की बचत करेंगे, सफाई का ध्यान रखेंगे और त्योहार को सम्मानजनक तरीके से मनाएंगे। आखिरकार, होली का असली मकसद खुशियां फैलाना और रिश्तों को मजबूत बनाना है, न कि प्रकृति को नुकसान पहुंचाना। जब हम पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए होली मनाएंगे, तब यह वास्तव में रंगों का त्योहार बनेगा। रंग ऐसे खेलें जो दिलों को जोड़ें, न कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएं !

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा बैठक में दिए निर्देश

ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ही अपनी फाइल भेजें, हार्ड कॉपी स्वीकार नहीं है

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी जिला एवं संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अब अपनी सभी फाईलें ई आफिस प्रणाली के माध्यम से ही भेजना सुनिश्चित करें, हार्ड कॉपी में भेजी जानकारी स्वीकार नहीं की जाएगी। कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आगामी 1 से 2 दिवस के अंदर अपनी एवं अपने कर्मचारियों की ई मेल आईडी बनाकर एनआईसी के माध्यम से मैपिंग कराकर जल्द ही शुरू कराएं। उन्होने इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर नियमानुसार कडी कार्यवाही करने की हिदायत दी। कमिश्नर श्री तिवारी ने पीएचई को निर्देश दिए कि वे बैतूल के ग्राम दौरी में खराब हैण्डपंपों में सुधार कार्य कराना सुनिश्चित करें तथा गांव के समीप से बहने वाली तवा एवं माचना नदी का जल ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए संभावना तलाशे। उल्लेखनीय है कि गत दिवस कमिश्नर श्री तिवारी ने ग्राम दौरी का भ्रमण किया था जहां ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 08 हैण्डपंप है जिसमें से 02 की पाईप लाईन सड गई है एवं 02 हैण्डपंप से लाल एवं मटमेला पानी आ रहा है।

कमिश्नर ने समय सीमा की बैठक से अनुपस्थित रहने पर संयुक्त संचालक मत्स्य श्रीमती शशि गोलाईत को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने जिन कर्मचारियों को जन्म तिथि, ज्वायनिंग तिथि एवं अन्य तकनीकी त्रृटि के कारण अब तक समयमान वेतनमान एवं ऐरियर्स का लाभ ना मिलने पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ऐसे कर्मचारियों की त्रृटियां प्राथमिकता से सुधार कर उन्हें समयमान वेतनमान एवं ऐरियर्स का लाभ देना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला मत्स्य अधिकारी श्री वीरेन्द्र चौहान ने बताया कि नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल में स्मार्ट फिश पार्लर संचालित किया जाएगा। जहां पर डीप फ्रीजर रहेगा। हायजेनिक रूप से सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। उन्होने बताया कि झिंगा पालन संवर्धन एवं स्मार्ट फिश पार्लर के लिए ट्रेनिंग भी दी जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि सभी मत्स्य एवं पशु पालकों के केसीसी प्राथमिकता से बनाए जाए। उन्होने कहा कि अब तक बनाए गए केसीसी का भी अनिवार्य रूप से परीक्षण कर लिया जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने संयुक्त संचालक कृषि को निर्देश दिए कि प्रति सप्ताह अमानक खाद बीज बेचने वाले विक्रेताओ से सेंपल लेकर जांच कराएं एवं अमानक पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होने आईटीआई महाविद्यालयों में आरक्षित महिला सीट को भरने के निर्देश दिए और कहा कि शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग तत्संबंध में महिलाओं को जागरूक करते हुए उनसे आवेदन कराएं। संभागीय समय सीमा की बैठक में अपर आयुक्त आर.पी. सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जी.सी. दोहर एवं संयुक्त कलेक्टर मती संपदा गूजर तथा सभी संबंधित संभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पर्व-त्योहारों पर जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे : तिवारी

आगामी दिनों में होली एवं अन्य धार्मिक पर्व आने वाले हैं, इन पर्वों में नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिलों यथा बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद एवं शांतिपूर्ण रहे, इसके लिए अभी से सभी तैयारी सुनिश्चित की जाए। हर जगह अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए और समूचा अमला अलर्ट मोड पर रहे। सभी कलेक्टर शांति समिति एवं अन्य बैठक समय पर ले लेवें एवं सुरक्षा मापदंड का ध्यान रखें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए। कमिश्नर तिवारी ने 31 मार्च तक खनिज एवं राजस्व विभाग को दिए गए राजस्व वसूली के सभी लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए और कहां की 31 मार्च से पूर्व दिए गए लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली की कार्रवाई खनिज एवं माइनिंग विभाग का अमला पूर्ण कर ले। कमिश्नर तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी पेयजल स्रोत का रख रखाव दुरुस्त रहे। ग्रामीण क्षेत्र में एवं शहरी क्षेत्र में पेयजल एवं बिजली कटौती की समस्या ना आए। पेयजल के लिए नल जल योजना के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक स्रोतों को भी सुदृढ किया जाए। कुएं, हैंडपंप एवं बावडी को भी पुनर्जीवित कर पेयजल के लिए लायक बनाया जाए। तिवारी ने अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा गत माह ली गई बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों का अक्षरश पालन करने के निर्देश दिए और कहां की दिए गए निर्देशों में जो भी पॉइंट है वह सभी पॉइंट प्राथमिकता से निराकृत किए जाएं। कमिश्नर तिवारी ने राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आधार में आरो आर लिंकिंग में बैतूल, स्वामित्व में नर्मदापुरम एवं नक्शा तरमीम में हरदा जिले की कम रैंकिंग आने पर इन जिलों को अपनी रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीपी ग्राम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहां की जिला स्तरीय शिकायतों का निराकरण यथा संभव जिला स्तर पर कर दिया जाए एवं राज्य स्तरीय शिकायत है तो प्रकरण से शासन को अवगत कराया जाए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी के प्रकरण का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए और कहां की जो अधिकारी एवं कर्मचारी समय सीमा में प्रकरणों के निराकरण मैं रुचि नहीं ले रहे हैं तो ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारियों पर कलेक्टर पेनल्टी लगाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बताया गया कि इस सप्ताह नर्मदापुरम में 754 हरदा में 234 एवं बैतूल में 1337 नल कनेक्शन किए गए हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम एवं एसडीएम कर रहे फार्मर रजिस्ट्री कैंप का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में किसानों के पंजीकरण कार्य को सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से, कलेक्टर के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री डी.के. सिंह एवं समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विभिन्न गांवों में पहुंचकर फार्मर रजिस्ट्री कैंपों का निरीक्षण कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों का पंजीकरण प्रक्रिया के अनुसार सही तरीके से हो, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और कैंप में आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहें। इस दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जा रहा है।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कैंपों की नियमित मॉनिटरिंग करें और पंजीकरण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराएं।

चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रियाओं को मजबूती देने दलों को चर्चा के लिए बुलाया

नर्मदापुरम। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने चुनावी प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने राजनीतिक दलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद स्थापित करने की योजना बनाई है ताकि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा सके। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को भेजे अपने पत्र में कहा कि वे 30 अप्रैल, 2025 तक किसी भी अनसुलझे मुद्दे पर ईआरओ, डीईओ या सीईओ स्तर पर सुझाव प्रस्तुत करें। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह बातचीत भारत के स्थापित चुनावी कानूनों और वैधानिक ढांचे के तहत होगी, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। इससे पहले, पिछले सप्ताह हुए ईसीआई सम्मेलन में मुख्य चुनाव आयुक्तज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिये थे कि वे राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें करें। इन बैठकों में मिले सुझावों को कानूनी ढांचे के तहत सख्ती से हल किया जाए और 31 मार्च, 2025 तक आयोग को एक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि वे विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करें।

आम लोगों की जीना मुश्किल, ऊपर से बड़े हादसे का भी डर

पहले अवैध सड़क तक अतिक्रमण, फिर सड़क किनारे 40 फीट के सरियों का बंडल रखकर लगा रहे दुकान

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

स्टेट हाईवे के दोनों तरफ निश्चित दूरी को छोड़कर ही कोई निर्माण कार्य कराया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करते हुए किए गए अवैध निर्माण और अतिक्रमण को तोड़े जाने का प्रावधान है। प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई बार मुहिम भी चलाई गई, जो हमेशा गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक ही सीमित रही लेकिन तेंदूखेड़ा से गुजरने वाले रहली जबलपुर स्टेट हाइवे तहसील के पास पेट्रोल पंप के सामने अंशु ट्रेडर्स पर प्रशासन का ध्यान आज तक नहीं गया जो अवैध निर्माण कर सड़क तक 40 फूट लोहे की सरियों का कई कुंतल बिण्डल रखे हुए हैं जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी होती है और बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है।

मुख्य मार्ग पर वाहन खड़े कर करवाते हैं 40 फीट लोहे की सरियों का बंडल लोड

दुकानों के बाहर दिनभर ट्रैक्टर-ट्रॉली व हाथ ठेले खड़े रहते है। जिनसे सरियों का परिवहन कराया जाता है। ठेलों पर सरिया पूरी तरह नहीं आता है और आगे की ओर 15 तो पीछे की ओर भी लगभग 15 फीट तक बाहर निकला होता है। सड़कों से गुजरते समय हाथ ठेला पर लदे सरिया ट्रैफिक को तो प्रभावित करते ही है, साथ ही हादसों को भी आमंत्रण देते हैं।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आज

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले की अचल संपत्तियों के वर्ष 2025-26 के अंतिम बाजार मूल्य निर्धारण के लिए जिला मूल्यांकन समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति नर्मदापुरम ने बताया कि उक्त बैठक नर्मदापुरम कलेक्टर सु सोनिया मीना की अध्यक्षता में 12 मार्च 2025 को दोपहर 03:00 बजे से कलेक्ट्रेट भवन में आयोजित की जाएगी।

ट्रेन से गिर कर 25 वर्षीय युवक घायल

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के थाना सोहागपुर क्षेत्र के नवल गाँव के पास एक व्यक्ति ट्रेन से गिर कर घायल हो गया है। डायल-100 ने सूचना प्राप्ति पर तत्काल सोहागपुर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-100 ने घटना स्थल पर पहुँच कर अरविंद को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया।

बाजार पर होली का रंग, गुलाल व पिचकारियों की सजी दुकानें

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

होली का पर्व नजदीक आते ही बाजार में रंग-गुलाल व पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। दुकानदारों ने बच्चों से लेकर बड़ों तक का ख्याल रखा है। पिचकारी हो या रंग-गुलाल या फिर टोपी, मुखौटा व बाल सहित दूसरे आइटम दुकानों में सभी की पसंद का सामान उपलब्ध है। रंग-पिचकारी के अलावा खान-पान की दुकानें भी लग गई है। मिठाई में गुझिया जैसे आइटम और नमकीन की खरीदारी शुरू है। घर में बनाने की सामग्री के साथ बाजार में रेडीमेड खाद्य सामग्री भी उपलब्ध है। लोग जरूरत व इच्छा के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। नगर के बाजार में दुकान लगाने वाले डब्बू सेठ बताते हैं कि इस बार पिचकारी में त्रिशूल, डमरू, हथौड़ा व राकेट की बेरायटी आई है। बच्चों के लिए पूर्व की भाति भी

पिचकारी उपलब्ध है। गुलाल में हर्बल कलर के अलावा पानी वाले रगों में कई वैरायटी मिल रही है। होली पर मुखौटा लगाने व टोपी पहनने के साथ ही लोग रंग बिरंगें बाल भी लगाते हैं। बड़ों से लेकर बच्चों तक के इस शौक का भी ख्र रखाय गया है। बताया कि पिचकारी 20 रुपए से लेकर 200 रुपए तक में उपलब्ध है। इसी प्रकार टोपी 20 रुपए से लेकर 100 रुपए तक और बाल 100 रुपए तक में उपलब्ध हैं। क्षेत्र मै भी बाजार में भी दुकानें सज गई हैं।

रेडिमेड मिठाई की ज्यादा मांग के मद्देनजर मावा की अभी से मांग बढने लगी है। बढ़ी मांग के बीच इस समय मावा भी 200 से 300 के बीच प्रति किलोग्राम तक पहुंचा है। मावा विक्रेता आनंद यादव का कहना है कि होली के कारण मांग बढ़ी है, लेकिन गत वर्षों मै जितनी मांग थी उतनी नहीं आ रही है। लोग गुझिया हो या अन्य मिठाई, घर में बनाने के बजाए रेडिमेड मिठाई लेना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसलिए फुटकर में मावा की मांग गत वर्षों की तुलना में कम है।

अज्ञात कारणों से घर में लगी आग सामग्री जलकर खाक

तेंदूखेड़ा। मंगलवार को तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 7 में थाने के सामने दोपहर 11 बजे के आसपास एक घर में अचानक से आग लग जाने का घटनाक्रम सामने आया है इस आगजनी में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है प्राप्त जानकारी के अनुसार थाने के सामने रहने वाले सुखदेव विश्वकर्मा के घर में मंगलवार को अज्ञात लोगों के चलते घर में आग लग गई आग की लपटे देखकर पूरा परिवार घर के बाहर आ गया और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया पीड़ित सुखदेव विश्वकर्मा ने बताया कि घटना सुबह करीब

साढ़े ग्यारह बजे के बीच की है अचानक से घर में धुआं धुआं मंडराने लगा तो देखा आग की लपटे घर से निकल रही थी जहां घर के अंदर आग लगी हुई थी इस आगजनी में करीब एक लाख के आसपास पीड़ित सुखदेव विश्वकर्मा का नुकसान हुआ है आग किसी लगी इसकी किसी को जानकारी नहीं है पीड़ित द्वारा शासन प्रशासन से मुआवजे की मांग की वहीं पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

आशा कार्यकर्ता के सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया चालू

नर्मदापुरम। जिले के सभी ब्लाकों के ग्रामीण क्षेत्रों में जन जन तक गर्भवती महिला जांच, शिशु स्वास्थ्य टीकाकरण,परिवार नियोजन सहित अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाली 1135 आशा कार्यकर्ताओ की एनआईओएस द्वारा सर्टिफिकेशन किया जाना है। इसी क्रम में डोलरिया और माखननगर ब्लॉक की 100- 100 आशा कार्यकर्ताओ की सर्टिफिकेशन 3 चरणों में जारी है जिसमें इन सभी आशाओं की 3 मार्च को ऑनलाइन परीक्षा सम्पन्न हो चुकी है, द्वितीय चरण में आज दिनांक 11 मार्च को प्रायोगिक परीक्षा एएनएन ट्रेनिंग सेंटर इटारसी में आयोजित हुई इसके पश्चात् 23 मार्च रविवार को सैद्धांतिक परीक्षा समस्त प्रदेश में एक साथ आयोजित की जाएगी जिले में आशा सर्टिफिकेशन का कार्य सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार के मार्गदर्शन एवं डीसीएम शैलेन्द्र शुक्ला की देखरेख में किया जा रहा तथा राज्य स्तर द्वारा नामांकित मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही हैं।

मेट्रो एंकर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त हुए 94 आवेदन

सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्ण परीक्षण के बाद निराकरण करें : अपर कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान 94 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान अपर कलेक्टर डी.के सिंह ने लोगो की समस्याओं का समाधान किया। उन्होनें आवेदनों के गंभीरतापूर्ण परीक्षण के बाद अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान सदर बाजार नर्मदापुरम निवासी ओमप्रकाश सोलंकी ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि सदर बाजार स्थित उनके निवास के सामने सीवर लाइन डाली गई। जिसके कारण कई नल कनेक्शन टूट गये है जिससे निरंतर पानी बहने से घर के सामने जल भराव हो रहा है। जिसके कारण जगह जगह पर गंदगी व्याप्त है एवं आवागमन में भी परेशानी हो रही है। आवेदनकर्ता ने व्यर्थ जल प्रवाह रोकने एवं उससे दुर्घटना होने की भी संभावना है जिसका शीघ्रता से जिसका शीर्घता से निवारण करना चाहिये। सिंह ने मामले को गंभीरता से लेने एवं पाइपलाइन दुरूस्त करने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए।

जावली तहसील माखननगर निवासी पंकज नागवंशी द्वारा आवेदन प्रस्तुत करते हुए किसान सम्मान निधि एवं किसान कल्याण निधि की राशि प्राप्त नहीं हुई,

आवेदनकर्ता द्वारा माखननगर तहसील में भी आवेदन दिया गया था, परंतु काफी समय व्यतीत हो जाने के उपरांत भी राशि प्रदान नहीं हुई है उन्होनं जनसुनवाई के माध्यम से शीघ्र समस्या निवारण के लिए आवेदन दिया। इसी प्रकार जनसुनवाई में आए मानसिंह ग्राम चांदला तहसील माखननगर द्वारा विगत कुछ माहों से वृद्धा पेंशन की राशि प्राप्त नहीं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत करते हुए शीघ्र वृद्धा पेंशन प्रदान करने की मांग की।

संजय नगर ग्वालटोली नर्मदापुरम निवासी उर्मिला बाई पति लक्ष्मण सिंह भाकोरिया ने जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को अवगत कराया कि उनके पति की मृत्यु के पश्चात उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है एवं वह मजदूरी कर जीवन यापन कर रही है किंतु उन पर बकाया नल टैक्स 12 हजार रुपए कि राशि का देयक प्राप्त हुआ है। जिसे देने में वे असमर्थ है। उनके द्वारा जल-कर की राशि को माफ करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया।

जनसुनवाई मे आई कीर्ति मीणा निवासी नर्मदापुरम ने अपने बच्चों की स्कूल फीस जमा करने मे असमर्थता जताई। जनसुनवाई आवेदन के माध्यम से उन्हानें बताया के दोनो बेटियों का प्रवेश शहर के एक निजी स्कूल मे किया गया था। पति के देहांत के बाद से आर्थिक स्थिती ठीक न होने के कारण स्कूल फीस नही भर पा रही हैं। वार्षिक परीक्षा भी प्रारंभ होने जा रही हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा निरंतर स्कूल फीस जमा करने का दबाव बनाया जा रहा हैं, फीस ना भरने कि स्थिति में परीक्षा से वंचित करने की बात भी कहीं जा रही हैं। इसी प्रकार अवैध कब्जे, पेंशन, नाली निर्माण एवं अन्य कई समस्याओं के समाधान के लिए लोगो नें जनसुनवाई के दौरान आवेदन प्रस्तुत करते हुए शीर्घ निराकरण की मांग की। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने प्रत्येक आवेदनकर्ताओ के आवेदनों का गहनता से अध्ययन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी शिकायतों पर समयसीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पंजीयन की अवधि बढ़ी : चना मसूर एवं सरसों के पंजीयन की अवधि बढ़ी

विदिशा। समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसो के पंजीयन करने की अवधि में वृद्धि की गई है का आदेश किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संचालक द्वारा जारी किया जा चुका है। जारी आदेश में उल्लेख है कि रबी वर्ष 2024-25 वितरण वर्ष 2025-26 में ई उपार्जन पोर्टल पर चना, मसूर एवं सरसो के उपार्जन के लिए अब 17 मार्च तक पंजीयन कार्य किया जाएगा। पंजीकृत कृषकों एवं रकवे का सत्यापन कार्य 25 मार्च तक पूर्ण कराया जाएगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपडिया ने बताया कि चना, मसूर, सरसो के लिए अब तक 66697 कृषकों के द्वारा पंजीयन कराया गया है जिसमें गेंहू के 55944, चना के लिए 17457, मसूर के लिए 18260, सरसो के लिए 2416 कृषकों के द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु पंजीयन कराया गया है। गौरतलब हो कि समर्थन मूल्य पर चना 5650 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर 6700 रूपए प्रति क्विंटल एवं सरसो 5950 रूपए प्रति क्विंटल की दर से क्रय की जाएगी जबकि गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपए प्रति क्विंटल व बोनस राशि 175 रूपए इस प्रकार उपार्जन केन्द्रो पर गेंहू 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा।

अस्पताल के सफाईकर्मियों ने मांगे पूरी नहीं होने पर हड़ताल की शुरू

सिरोंज। वेतन पीएफ की मांगों को लेकर आउटसोर्सिंग से काम करने वाले सफाई कर्मियों ने मांगे पूरी नहीं होने पर सरकारी अस्पताल तक अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ कर दी है। इसके चलते अस्पताल

की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई अस्पताल में आने वाली मरीजों को भी गंदगी से दो चार होना पड़ा लंबे समय से सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। हर बार आश्वासन देकर इनकी हड़ताल खत्म कर दी जाती है। लेकिन इस बार उनका कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूर्ण नहीं होगी हम अपनी हड़ताल खत्म नहीं करेंगे। ऐसा होने पर अस्पताल प्रबंधन को मुश्किलों का सामना भी करना पड़ सकता है सफाई नहीं होने पर हालत बिगड़ जाएं।अस्पताल प्रबंधन को इनकी मांगों का समाधान करके इस और कदम बढ़ाने चाहिए।

25 साल बाद मंडी को वापस मिला मंगल वेयरहाउस

सिरोंज। कृषि उपज मंडी से 25 साल पहले निज व्यक्ति ने मंगल वेयरहाउस को किराए से लिया था इसके बाद अनुबंध को रेनू भी नहीं करवाया ना ही किराया दिया जा रहा था। इसकी जानकारी एसडीएम हर्षल चौधरी चौधरी को लगी तो उन्होंने संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करके वेयरहाउस के संबंध में दस्तावेज मांगे तो गड़बड़ी उजागर होने पर खाली करने के लिए निर्देश दे गए। एसडीएम के कदम के बाद मंडी प्रशासन उक्त वेयरहाउस वापस मिल पाया है ।अब इसका उपयोग जनहित के कार्यों के लिए प्रशासन करेगा वैसे इस काम को मंडी बहुत पहले कर लेना चाहिए था जो अभी हुआ यह काम एक-दो साल बीत जाने के बाद किराया जमा नहीं करने वाले व्यक्ति से इसको खाली करवाना था इतने सालों तक मंडी की जगह का दुरुपयोग नहीं होता।

कस्बा ताल हाई स्कूल में फर्जी हस्ताक्षर का मामला

जांच प्रारंभ होते ही खुलने लगी परतें बनाया जा रहा है मानसिक दबाव !

अस्थाई शिक्षिका ने लगाया आरोप, अवकाश के दिन भेजा नोटिस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में किस तरह से नियमों को तक पर रखकर शासन की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। कस्बा ताल हाई सेकेंडरी स्कूल की जांच प्रारंभ होते ही उसका खुलासा भी होने लगा है दूसरी और कार्रवाई से बचने के लिए शिकायत करने वाली को छुट्टी के दिन भी नोटिस जारी करके मानसिक दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब स्कूल में हुए काले कारनामों को उजागर होने से बचने के लिए किया जा रहा । जबकि पूरे देश में 2 दिन पहले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में जगह-जगह आयोजन एवं सामाजिक कार्यक्रम कर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई संगोष्ठी व जन जागरुकता के आयोजन हुए थे। इनका उद्देश्य था कि महिलाएं सशक्त एवं शिक्षित होकर अपने अधिकार और कर्तव्यों के प्रति सजग रहे। इसके लिए एक तरफ जहां प्रदेश के मुखिया मोहन यादव ने भी एक दिन के लिए महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपना समय निकाला था। जिसका उद्देश्य था कि देश की महिलाओं सामाजिक दृष्टिकोण में एक विशेष महत्व मिल सके। लेकिन सिरोंज में ऐसा होता दिखाई नहीं पड़ रहा है, क्योंकि एक अस्थाई शिक्षिका अपने कर्तव्य और निष्ठा के प्रति जागरूक क्या हुई उसकी शिकायत करने के बाद उक्त कार्यालय के अधिकारी ने उस पर ही कार्रवाई करना प्रारंभ कर दिया है। जबकि उक्त महिला शिक्षिका ने तमाम तरह के दस्तावेज पेश कर प्रमाणित कर दिया है कि वह सही है और अधिकारी उसे फसाने का प्रयास कर रहा है, इसके अलावा स्वयं अधिकारी ने कई तरह से शासन की राशि का गवन किया है तो वहीं फर्जी हस्ताक्षर कर 70 हजार रुपए से अधिक की राशि भी निकाली है। इसी को लेकर 3 मार्च को हाई स्कूल कस्बा ताल में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के पद पर पदस्थ शिक्षिका ने एक शिकायती पत्र जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिया था। जिसमें उसने आरोप लगाया था कि स्कूल मैनेजमेंट एवं डेवलपमेंट समिति के खाते कस्बा ताल में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य द्वारा मेरे फर्जी हस्ताक्षर कर राशि निकाली जा रही है जिसकी उसे कोई जानकारी तक नहीं है।

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर ने की शिकायत, जिस पर प्रभारी प्राचार्य ने अवकाश के बावजूद भेज दिया नोटिस

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के पद पर अस्थाई रूप से कार्यरत महिला कर्मी शिक्षिका ने कुछ दिन पूर्व विभागीय अधिकारियों को प्राचार्य की स्वयं के फर्जी हस्ताक्षर से राशि आहरण संबंधी शिकायत की थी। जिससे नाराज होकर प्राचार्य द्वारा संबंधित महिला कर्मी को नोटिस जारी कर कार्यवाही करने संबंधित जवाब मांगा। जिस पर उक्त महिला कर्मी ने नोटिस के जवाब में प्राचार्य पर प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे द्वारा कोई तथ्य नहीं छिपाया गया है लगाए गए आरोप निराधार एवं गलत है क्योंकि मैनें आई.सी.टी. इंस्ट्रक्टर के पद पर नियुक्त होने के पश्चात नियमित अध्यापन हेतु कोई प्रवेश नहीं लिया है, और न कोई परीक्षा दी है। बल्कि अपने नियमों को तांक पर रखकर संस्था के 5 मार्च के पत्र में प्राचार्य पद एवं शासकीय पद मुद्रा का गलत उपयोग किया है, क्योंकि आप एक मार्च से सात मार्च तक अकास्मिक / लघुकृत अवकाश पर थे, उक्त अवधि में संस्था प्रभारी लालचंद माझी थे अवकाश पर होते हुए भी आपके हस्ताक्षर से मुझे 5 मार्च को स्पष्टीकरण पत्र जारी किया गया जो कि शासन के नियम विरुद्ध पद का दुरूपयोग है। इससे ऐसा प्रतीत होता है की मैनें जो आपके द्वारा नियम विरुद्ध धोखाधड़ीकर मेरे फर्जी हस्ताक्षर कर राशी आहरण करने की जो शिकायत वरिष्ठ कार्यालय से की थी उसी द्वेष भावना को रखते हुए आप मुझे प्रताड़ित कर मानसिक दबाव बनाना चाहते है।

तीन सदस्यीय जांच दल कर रहा है जांच

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के पद पर अस्थाई रूप से कार्यरत महिला कर्मी ऋषिता पटेल के आरोपों पर शासकीय राशि के गवन मामले में तीन सदस्यीय जांच दल शासकीय हाई स्कूल कस्बताल पहुंचा जहां जांच दल द्वारा महिलाकर्मी ऋषिता पटेल और प्राचार्य जगदीश साहू के कथन लिए गए। इस जांच दल में सीएम राइस स्कूल सिरोंज के प्राचार्य महेश ताम्रकार, गरेठा प्राचार्य श्री पाल गौतम और वरिष्ठ शिक्षक बसंत राय को शामिल किया गया है। हालांकि इस जांच दल पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि इतनी गंभीर और महत्वपूर्ण शिकायत पर जांच जिला स्तर से होनी चाहिए थी, लेकिन जिला स्तर से जांच न कराई जाकर तहसील स्तर के अधिकारीयों से कराई जा रही है।

शिकायत के बाद खुलने लगी परतें

वही हाई स्कूल प्राचार्य की मनमानी एवं फर्जी तरीके से राशि निकालने के आरोप के बाद अब हाई स्कूल कस्बाताल एवं संकुल केंद्र की अन्य प्रकार की अनियमिताएं भी सामने आने लगी है। मिली जानकारी के अनुसार माध्यमिक शिक्षक होने के बाद भी संकुल का प्रभार राजनीतिक दबाव के कारण उक्त प्रभारी शिक्षक को दिया गया है, इसके अलावा एसएमडीसी की राशि जिन तीन लोगों की समिति में शामिल कर बनाई गई है, उनमें से दो सदस्यों को सही से जानकारी तक नहीं है, सभी तीनों शिक्षकों के सामने सिर्फ प्रभारी प्राचार्य का ही मोबाइल नंबर डला हुआ है, जिससे शिकायतकर्ता की शिकायत और मजबूत हो जाती है। इसका उद्देश्य है कि पैसा निकालते समय आने वाली ओटीपी किसी और के पास ना जा सके। इसके अलावा उक्त हाई स्कूल में रामकुमार साहू लिपिक के पद पर पदस्थ हैं, इसके बावजूद भी अन्य को उनकी जगह पर पदस्थ करना गलत है।

इनका कहना है

जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया है। हमारी टीम ने जांच प्रारंभ कर दी है, जिसमें आरोप प्रत्यारोप करने वाले दोनों के कथन लिए गए हैं। अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है जल्द ही जांच रिपोर्ट तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी को भेज दी जाएगी।

-महेश कुमार ताम्रकार
जांच दल सदस्य

मेरी माता जी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण मैं लगातार अवकाश पर चल रहा हूं, जब भी आता हूं तो कामकाज देखता हूं, इसी दौरान मैंने यह नोटिस जारी किया था। इस मामले से जोड़कर ना देखा जाए, इसके अलावा जो भी राशि निकाली गई है उसमें कोई फर्जी हस्ताक्षर नहीं है इन्होंने स्वयं हस्ताक्षर किए हैं, उसी के आधार पर राशि निकाली गई है। इसके अलावा मेरे ऊपर लगाए जा रहे सभी आरोप निराधार हैं।

- जगदीश साहू
प्रभारी प्राचार्य कस्बाताल

एसडीएम ने बैठक में कहा-1 अप्रैल को 319 स्कूलों में गाजे बाजे के साथ मनाया जाएगा प्रवेश उत्सव, पहला कदम शाला की ओर रहेगी थीम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर के द्वारा 1 अप्रैल से सभी सरकारी संस्थानों में नावचर करने के लिए एक कदम साल की ओर अभियान प्रारंभ किया गया है। 1 अप्रैल को सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में बड़े उत्सव पूर्वक और ढोल नगाड़ों के साथ प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दी गई है।कक्षा एक में प्रवेश लेने वालो छात्रों को किट भी उपलब्ध जन सहयोग से उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर की मनसा शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करने के है और ऐसा माहौल अभी से बनाया जाए जिससे कि सरकारी स्कूल में प्रवेश लेने वाले बच्चों को भी लगें हम किसी प्राइवेट स्कूल में प्रवेश ले रहा है, इसी तरह की व्यवस्थाएं सरकारी स्कूलों में करने के लिए मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने वी ई ओ आरसी के साथ सभी जन शिक्षकों की बैठक सीएम राइज स्कूल में लेते हुए कहा कि 1 अप्रैल से सभी शालाओं में बड़े ही उत्साह के साथ प्रवेश सब मानना है इसके लिए गांजे बाजे और ढोल नगाड़ों की व्यवस्था भी की जाए इससे पहले सभी स्कूलों की विशेष रूप से साफ सफाई के साथ पुताई और रंगाई का कार्य हो जाए पेंटिंग भी कराई जाए शौचालय की व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए स्कूलों में लाइट पंखे भी लगाए जाएं की विद्यालय का वातावरण अच्छा बनाएं ग्राउंड भी साफ सुथरा होना चाहिए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही ना हो सभी शाला प्रभारी व्यवस्थाएं करने के संबंध में आदेश जारी करके व्यवस्थाओं का जायजा भी जन शिक्षक लेकर कहीं पर कोई कमी रहती है तो उसको समय से पहले ठीक करवा ले प्रवेश उत्सव के दौरान कोई कमी नहीं हो इस बात की चिंता भी सभी समय से कर ले मॉनिटरिंग का काम बी वी ई ओ,बी आर सी करें। अच्छी भावनाओं से शिक्षक गाण धरातल पर कार्य कर ले तो उनकी तैयारी भी प्राइवेट स्कूल के जैसी हो जाएगी इस काम के लिए सभी के अंदर अच्छी भावना होगी तभी संभव हो पाएगा। माहौल अभी से बनेगा तो पालकों भी लगेगा कि हमारे बच्चे का प्रवेश अच्छे स्कूल में हो रहा है।

319 में होगी तैयारी

विकासखंड में 4182 बच्चों का प्रवेश उत्सव धूमधाम से मनाने के लिए अभी से व्यवस्था जताने के लिए शिक्षा के हमले को लगा दिया गया है। 200 प्राथमिक शाला है तथा 119 माध्यमिक शालाओं में मनाया जाएगा इससे पहल जितनी भी व्यवस्था होनी है उनको जल्दी-जल्दी पूर्ण करवाना है इसमें कई स्कूलों की हालत जीवन सिंह हो गए उनके मेंटेनेंस के कार्य के साथ पुताई का काम होगा गंदगी पड़ी हुई है उसकी साफ सफाई के साथ ग्राउंड की अच्छी व्यवस्था के अलावा शौचालय की हालत ठीक नहीं है उनको भी करवाना इसके अलावा बिजली की व्यवस्था भी इन स्कूलों में करवानी है इस काम को कितनी ईमानदारी से स्कूलों में तैनात शिक्षक करेंगे या तो आने वाली 1 अप्रैल को ही चलेगा पर कलेक्टर रोशन सिंह की सोच सरकारी स्कूलों के स्तर में बदलाव लाने की है उसे मनसा को लेकर ही वह धरातल पर कदम उठा रहे हैं। इस दौरान वी ई ओ उमेश सोनी,बीआर सी ओमप्रकाश रघुवंशी आदि मौजूद थे।

एसडीएम ने व्यापारियों और मंडी अमले की ली बैठक, प्राइवेट धर्मकांटे किया बंद

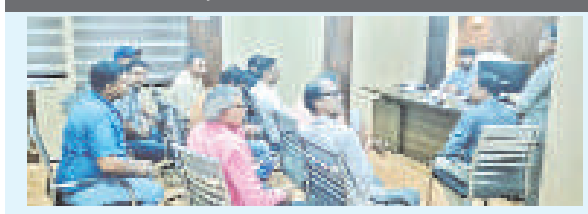

मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने अपने कक्ष में व्यापारियों के साथ मंडी प्रशासन की बैठक लेते हुए कहा की मंडी के अधिकारी, कर्मचारी व्यवस्थाओं को ठीक तरह से लागू करने के लिए काम व्यापारीगण और किसानों को किसी किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए इस बात की चिंता करें। दशहरा मैदान पर गेहूं की नीलामी प्रारंभ हो गई, सब्जी मंडी को नवीन सब्जी मंडी में शिफ्ट कर रहे हैं। जाम की समस्या का समाधान करने के लिए एसडीएम ने प्राइवेट धर्मकांटे पर तुलाई का काम पूरी तरह से बंद करवा दिया इसके परिणाम स्वरुप मंडी बाईपास रोड पर जाम भी नहीं लगा ठेकेदार ने सड़क के दोनों तरफ से मिट्टी हटवाने का काम भी शुरू करवा दिया है। थौक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव ने कहा कि अच्छी व्यवस्था होगी तो हमें भी कोई परेशानी नहीं होगी मंडी में आने वाले किसानों को सुविधा मिलेगी तो इसका फायदा मंडी को भी मिलेगा ज्यादा किसान अपनी उपज लेकर आयेंगे

जनसुनवाई के अधिकांश आवेदनो का मौके पर निराकरण : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा हरेक मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। मंगलवार 11 मार्च को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 157 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा मौके पर 96 आवेदनो का निराकरण किया गया है शेष लंबित आवेदनों पर समय सीमा में कार्यवाही कर निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश उल्लेखित विभागो के अधिकारियों को दिए गए है।

कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है।

आज मंगलवार को आधार सेन्टर में 32 आयुष्मान कार्डो के संदर्भ में स्टॉल के माध्यम से कार्य संपादित किया गया है जिसमें मुख्यतः नाम परिवर्तन, नाम, पता परिवर्तन तथा नवीन आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्य किए गए है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत चिकित्सको के द्वारा 23 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया है।

आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया गया है।

मेट्रो एंकर होली भगवत भक्ति और भक्ति में शक्ति का आस्था का महापर्व

हर्षोल्लास. सौहार्दपूर्ण तरीके से पर्यावरण जल संरक्षण करने के साथ मनाएं होली का त्योहार

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

होली भगवत भक्ति और भक्ति में शक्ति का आस्था का महापर्व है होलिका दहन के उपरांत लोग परमा तिथि दूसरे दिन धुलेंडी पर रंगोत्सव के रूप में मनाते हैं बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है यह त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के साथ साथ आपसी वैमनस्यताओ को त्याग कर आपसी प्रेम भाईचारा के साथ मनाये जाने का पर्व है इस त्योहार को हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में पर्यावरण सुरक्षा और जल संरक्षण को ध्यान रखते हुए मनाने लोगों ने संकल्प लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है

पंडित रमेश तिवारी कहते हैं कि होली पर्व के दूसरे दिन और पंचमी पर रंगोत्सव मनाते हैं हम सूखी होली खेलें और लोगों को जागरूक करें विभिन्न प्रकार के रंगों से चेहरा तो खराब होता ही है पानी की बर्बादी भी होती है

-रमेश तिवारी तेन्दूखेड़ा

मनोज बेन कहते हैं कि यह पर्व हमारे जीवन को आनंदित करने वाला महापर्व है। हम एक दूसरे को गले मिल कर रंग गुलाल लगाते हैं। आपसी वैमनस्यताओं को त्यागते है प्रत्येक परिवार खुशी आनंदित हो और कोई ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए जिससे लोगों को ठेस पहुंचे

-मनोज बेन तेन्दूखेड़ा

समाजसेवी लखन यादव कहते हैं कि इस पर्व पर हमें होलिका दहन में बुराइयों को त्यागने जलाने की जरूरत है क्योंकि होली जलाने के नाम पर हरे भरे वृक्षों का कत्लेआम किया जाता है, लकड़ियां एकत्रित कर बड़ी मात्रा में जला देते हैं। हमें पर्यावरण को सुरक्षित रखने और संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कंडों की होली जलानी चाहिए और वृक्षों को कटने से रोकना चाहिए

-लखन यादव समाजसेवी

सेवानिवृत्त एसडीओ बीएल साहू कहते हैं कि प्रत्येक त्योहार के पीछे अपना एक अलग महत्व और उसके वैज्ञानिक कारण है, लेकिन इन सब के पीछे एक ही उददेश्य है कि हम प्रत्येक व्यक्ति को बराबरी का दर्जा देते हुये अपनी खुशी मे उसकी खुशी और एक सामंजस्यपूर्ण माहौल में सभी मिलजुलकर साथ साथ जीवनयापन करें। होलिकोत्सव पर्व हम सभी को उल्लास लेकर आता है, लेकिन व्यर्थ में पानी का दोहन केमिकलों से भरे रंगों के कारण शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव एवं लकड़ी की बर्बादी और जंगलों को काटने से रोकना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

-बीएल साहू सेवानिवृत्त एसडीओ

भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर स्पेशल कैंसलेशन जारी किया

मुंबई, एजेंसी

डाक विभाग ने भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर स्पेशल कैंसलेशन जारी किया है, इसमें भारत का विजयोत्सव लिखा हुआ है। महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य डाक महाप्रबंधक अमिताभ सिंह ने कहा- यह स्पेशल कैंसलेशन भारत की खेल उपलब्धियों को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इस ऐतिहासिक जीत को यादगार बनाया गया है। 2 दिन पहले 9 मार्च को भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराते हुए चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। टीम इंडिया ने 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है। टीम ने इस टूर्नामेंट को तीसरी बार जीता है। क्या है स्पेशल कैंसलेशन भारतीय डाक विभाग खास मौकों पर अपने स्पेशल कैंसलेशन जारी करता है। यह डाक टिकट कलेक्टर्स और क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास है। कैंसलेशन मुंबई जीपीओ में जनता के लिए उपलब्ध है, जिससे क्रिकेट और डाक प्रेमी इसे एक यादगार संग्रह के रूप में अपना सकते हैं। इंडिविजुअल्स टिकट- अपनी खुद की छवि या डिजाइन के साथ बनवाए जा सकते हैं। रोहित ने 76 रनों की पारी खेली दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग की और 251 रन बनाए। भारतीय टीम ने 252 रन का टारगेट 49 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया।

भारत का विजयोत्सव लिखा है, टीम इंडिया ने 2 दिन पहले जीता था खिताब

दोनों भारतीय खिलाड़ी टूर्नामेंट के राउंड-2 में पहुंचे, एचएस प्रणय बाहर

लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में जीते

लांस एंजिलिस

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले राउंड में अपने-अपने मुकाबले जीत लिए हैं। दोनों राउंड-2 में पहुंच गए हैं। जबकि एचएस प्रणय पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। लक्ष्य सेन ने पहले राउंड में चाइनीज ताइपे के सु ली यंग को 13-21, 21-17 और 21-15 से हराया। वहीं, एचएस प्रणय को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव ने 53 मिनट चले इस मुकाबले में 21-19, 21-16 से हराया। विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में भारत की मालविका बंसोड़ ने जेएम येओ को 21-13, 10-21, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-3 इंडोनेशियाई खिलाड़ी जोनथन क्रिस्टी से होगा। जबकि मालविका जापान की अकाने यामागुची से खेलेंगी।

पहला सेट गंवाने के के बाद वापसी की लक्ष्य ने पहला सेट 13-21 से गंवाया। शुरुआत में ही चाइनीज ताइपे के सु ने शानदार स्मैश लगाकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में 12-8 से पिछड़ने के बाद लक्ष्य सेन ने अपने डिफेंस पर काम किया और 21-17 से जीता। तीसरे सेट में एकतरफा अंदाज में खेलते हुए लक्ष्य ने अपने बैक स्मैश शॉट का प्रयोग किया और 21-15 का स्कोर करके मैच जीत लिया। बढ़त बनाने के बाद हारे प्रणय दुनिया के 29वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबले में अच्छी शुरुआत की। वे पहले 6-1 से आगे थे, एक समय पहले गेम का स्कोर 15-12 हो गया, लेकिन पोवोव के दबाव के आगे पिछड़ गए। पोपोव ने 16-18 के स्कोर पर लगातार तीन अंक के साथ 19-18 की बढ़त बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में पोपोव अधिक आत्मविश्वास में दिखे। उन्होंने 5-3 की बढ़त बनाई और फिर स्कोर 13-9 किया। प्रणय ने वापसी करते हुए 13-13 के स्कोर पर बबरारी हासिल कर लिया लेकिन फ्रांस के खिलाड़ी ने धैर्य बरकरार रखते हुए गेम और मैच जीत लिया।

125 साल पुराना है टूर्नामेंट का इतिहास

125 साल पुराने इस टूर्नामेंट में भारत को पिछले 23 साल से खिताब का इंतजार है। आखिरी टाइटल फुलेला गोपीचंद ने 2001 में जीता था। गोपीचंद से पहले प्रकाश पादुकोण ने साल 1980 में पहली बार जीता था। हालांकि पीवी सिंधु साल 2015 और लक्ष्य सेन साल 2022 में टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन जीत नहीं सके। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत 1899 में हुई थी। तब से अब तक बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) इसका आयोजन करा रहा है।

अंक तालिका में एकमात्र अंक की बढ़त

मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग की पहली दोहरी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी

मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग की पहली दोहरी जीत। गॉर्डन ब्राउन को बैटन देते टोनी ब्लेयर। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह का तीसरा वर्ष। चक दे! भारत, ओम शांति ओम सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। वैन पर्सी, हेनरी, ट्रॉसार्ड, हैवर्ट्ज़ प्रभावशाली। मिकेल अर्टेटा, विलियम सलीबा, एंटनी खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ट्रॉसार्ड के दो गोल की मदद से मैन यूनाइटेड को 1-0 से हराकर तालिका में एकमात्र अंक की बढ़त हासिल कीगेटी इमेजेज कर ली है। 2006-07 के बाद से मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में यह पहली दोहरी जीत थी । टोनी ब्लेयर 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर गॉर्डन ब्राउन को बैटन सौंपने वाले थे। मनमोहन सिंह यहां पीएम के रूप में अपने पहले कार्यकाल के तीसरे साल में थे। चक दे! इंडिया और ओम शांति ओम उस साल बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने का इंतजार कर रहे थे। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि उस वर्ष अमीरात में जनवरी के रिटर्न गेम में, रॉबिन वैन पर्सी और थिएरी हेनरी ने पैट्रिस एल्वा द्वारा संचालित 0-1 से हार के बाद मुकाबला जीता।

हालांकि, मेह मैन यू डिफेंस के सामने लियोनार्डो ट्रॉसार्ड ने काई हैवर्टज़ पास पर हमला किया, जिसने गनर्स के लिए एस्पिडिस्ट्रा को उड़ान भरते रखा। एक ऐसे मैच में, जो सट्टेबाजों की अपेक्षा कहीं अधिक बराबरी का था, मिकेल अर्टेटा के लोगों ने कुछ जोशीले खेल और कई चूकों के बावजूद संघर्ष किया और एक निश्चित जीत वाला गेम जीत लिया। एमिरेट्स में रेड अनहॉर्नड डेविल्स के खिलाफ 1-3 की जीत में आर्सेनल की इतनी अधिक गति या आकर्षण नहीं था जिसके कारण अंतिम स्कोरलाइन बनी। यह कुछ शानदार बचाव था - इस सीज़न में आर्सेनल की सिग्नेचर ट्यून - विशेष रूप से वर्क लाइक ए इजिप्टियन विलियम सलीबा ने, जिसने लिफ़ाफ़ा सील कर दिया।

टेनिस: एलजांद्रो ने नोवाक को दी शिकस्त

रोम, एजेंसी

इटेलियन ओपन में रविवार को उस वक्त बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब विश्व नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविक को हार का सामना करना पड़ा। चिली के खिलाड़ी एलजांद्रो टैबिलो ने सर्बियाई खिलाड़ी को अंतिम-32 मैच में 67 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-3 से हराया। यह एलजांद्रो के करियर की अब तक सबसे बड़ी जीत है।

जर्मनी: फिंगर रेसलिंग की धूम

बर्नबेउरेन (जमैका), एजेंसी

जर्मनी में फिंगर रेसलिंग लोकप्रिय खेल हैं और 70 साल से यहां इसकी चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। रविवार से इसका नया सीजन शुरू हुआ। इस खेल में एक वजन के दो खिलाड़ी मध्य अंगुली में चमड़े की एक रिंग को फंसाते हैं। जो खिलाड़ी मेज पर बने एक निशान तक विपक्षी खिलाड़ी को खींच लेता है, वो विजेता बनता है। माना जाता है कि इस खेल की शुरुआत 17वीं सदी में दक्षिणी जर्मनी और ऑस्ट्रिया के अल्पाइन क्षेत्र में विवाद को निपटाने के तरीके के तौर पर हुई थी। फिंगर रेसलिंग के दौरान रविवार को प्रतिस्पर्धा को तैयार दो खिलाड़ी और उनकी स्थिति का अवलोकन करता रेफरी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

एक्टर इमरान खान ने डिप्रेशन के चलते ने छोड़ी थी फिल्म 'थार'

एक्टर इमरान खान आए दिन अपने पास्ट से जुड़े कुछ ना कुछ खुलासे करते रहते हैं। अब एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि वो अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'थार' में लीड रोल प्ले करने वाले थे। हालांकि, बाद में यह रोल अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने किया। इमरान ने बताया कि जिस वक्त उन्हें यह फिल्म ऑफर की गई, वो डिप्रेशन से जूझ रहे थे और ऐसे में उन्होंने इस फिल्म को छोड़ दिया। एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा, 'मैं उस वक्त कुछ फिल्मों से जु?ा हुआ था पर एक वक्त आया जब मैं कुछ फिल्मों से वापस आ गया। मैं एक फिल्म को लेकर फाइनल स्टेज पर था जो बाद में 'थार' टाइटल के साथ रिलीज हुई। शुरुआती दौर में मैं उस फिल्म से जुड़ा था। तब मैं डिप्रेशन से जूझ रहा था। बाद में यह रोल हर्षवर्धन कपूर ने प्ले किया।'

जल्द कमबैक करने वाले हैं इमरान

वर्कफ्रंट पर इमरान जल्द ही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में कैमियो करते नजर आएंगे। इस कॉमेडी फिल्म से वो 9 साल बाद एक्टिंग कमबैक करेंगे। फिल्म को उनके मामा आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे। वहीं इसे एक्टर वीर दास डायरेक्ट करेंगे। यह उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म होगी। आखिरी बार इमरान 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी-बट्टी' में नजर आए थे।

मनोज बाजपेयी बोले- ब्लाइंड आर्टिकल्स से परेशान सुशांत

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भैया जी' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को याद कर मनोज बाजपेयी इमोशनल हो गए। दोनों ने एक साथ डायरेक्टर अभिषेक चौबे की फिल्म 'सोनचिड़िया' में काम किया था। एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने सुशांत सिंह राजपूत की परेशानी के बारे में बात की। एक्टर ने कहा- सुशांत ब्लाइंड आर्टिकल्स से काफी परेशान थे और अक्सर इस बारे में मुझसे बात करते रहते थे कि उन्हें क्या करना चाहिए। मैंने हमेशा उनसे कहा कि वह इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचें। मनोज ने कहा- सुशांत की मौत से करीब दस दिन पहले मेरी उनसे बात हुई थी। मैंने बताया था कि ऐसे आर्टिकल लिखने वालों से निपटने का एक अलग तरीका है। वह कहते थे कि सर, यह काम सिर्फ आप ही कर सकते हैं। वह मुझसे हमेशा कहते थे कि आपके हाथ का बना मटन खाना चाहता हूं। मैं कहता था कि जब बनाऊंगा तो जरूर खिलाऊंगा, लेकिन किसे पता था कि अचानक हम सबको छोड़कर चले जाएंगे। उनका समय आना अभी बाकी था। बाजपेयी की फिल्म 'भैया जी' 24 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में मनोज पहली बार इंटेंस एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

डिस्क्लेमर के साथ साझा की तस्वीर, डिंपल के लिए बोली उनमें बहुत खूबियां हैं...

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जीनत अमान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव दिखाई देती हैं। अक्सर वे पुराने दिनों को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम से कई पोस्ट को साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में, जीनत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर डिंपल कपाड़िया के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जीनत अमान ने एक बार फिर यादों का पिटारा खोला है। अभिनेत्री ने पुरानी यादों को ताजा करने के लिए डिंपल कपाड़िया के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की है। ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में अभिनेत्री सिगरेट पी रही हैं और डिंपल और फिल्म निर्माता जॉय मुखर्जी उन्हें देख रहे थे। थ्रोबैक के साथ अपने लंबे कैप्शन में, जीनत ने न केवल डिंपल के बारे में बात की, बल्कि प्रशंसकों से तस्वीर में उनके धूम्रपान से प्रभावित न होने के लिए भी कहा। अभिनेत्री ने तस्वीर साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, मुझे याद नहीं आ रहा कि यह तस्वीर कहां ली गई थी, लेकिन इसका फिल्म छैला बाबू से कुछ लेना-देना है। शायद यह सेट से बीटीएस शॉट है। मैं ऐसा इसलिए कह रही हूं क्योंकि जहां कुर्सियां 'प्रोडक्शन' चिल्ला रही हैं, वहीं मैं फिल्म के ड्रेस में नहीं बल्कि अपने कपड़ों में हूं। मेरे साथ फिल्म के निर्देशक जॉय मुखर्जी और डिंपल कपाड़िया भी हैं, जो अभिनेता राजेश खन्ना से शादी होने के कारण सेट पर आती रही होंगी। डिंपल की तारीफ करते हुए जीनत ने लिखा, यह डिंपल की प्रतिभा के बारे में एक पोस्ट नहीं है, हालांकि उनमें बहुत खूबियां हैं, यह उनके चरित्र के बारे में, मैंने जो कुछ देखा उनके बारे में है। मेरे जीवन में एक बहुत ही कठिन दौर के दौरान वह कुछ लोगों में से एक थीं, जो सार्वजनिक रूप से मेरे साथ खड़ी थीं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, अपने जीवन की आलोचना और जांच के बावजूद उस कठिन समय में उन्होंने मुझे अपनी ताकत की पहचान करवाई, जिसकी मैं आज तक प्रशंसा करती हूं, लेकिन मुझे विश्वास नहीं है कि वह इंस्टाग्राम पर है शायद ट्विंकल खन्ना मेरे प्यार को उन तक पहुंचाएंगी, सच में, जब कुछ दिन पहले मुझे यह तस्वीर मिली तो मुझे इसे शेयर करना ही पड़ा।

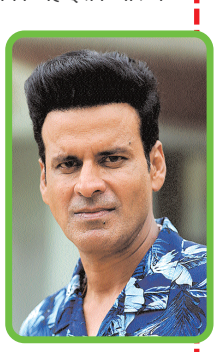

मेट्रो बाजार

इंडिया एआई कंप्यूट पोर्टल और डेटासेट प्लेटफॉर्म आई कोष लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय एआई मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में इंडिया एआई कंप्यूट पोर्टल और डेटासेट प्लेटफॉर्म्‍ढ कोष लॉन्च किया। एआई कोष सॉवरेन डाटासेट प्लेटफॉर्म भारतीय एआई मॉडल को डेवलप करने और ट्रेनिंग देने में मदद करेगा। जबकि इंडिया एआई कंप्यूट पोर्टल के जरिए रिसर्चर्स, स्टार्टअप्स और सरकारी एजेंसियां, रिसर्च और परीक्षण के लिए सब्सिडी वाले को एक्सेस कर सकती हैं। सरकार ने सब्सिडी रेट लगभग 67 रुपए प्रति घंटा तय किया है। इसके लिए करीब 10,000 जीपीएस लाइव कर दिए गए हैं। इसके साथ ही अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई मिशन के तहत 27 शहरों में डेटा लैब बनाने का एलान किया है। इन लैब्स का इस्तेमाल्‍ढ में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि अगले 3-4 वर्षों में भारत अपने खुद के विकसित करेगा। उन्होंने कहा आने वाले समय में भारत एआई, सेमीकंडक्टर और डीपटेक जैसे क्षेत्रों में टॉप 5 टेक देशों में शामिल होगा। मार्च 2023 में कैबिनेट ने इंडिया एआई मिशन के लिए 10,371.92 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी थी। इसमें 45 फीसदी फंड से लगभग 18,693 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट यानी लगाए जाएंगे। इससे वर्ल्ड का सबसे बड़ा कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप होगा जो चाइनीज्‍ढ मॉडल डीप सीक से 9 गुना बड़ा होगा। इन सभी जरिए रिसर्च कंपनियां कंप्यूटिंग रिसोर्सेज एक्सेस कर पाएंगी। सबसे कम बोली लगाने वाली 10 कंपनियों का चयन किया गया है। 15,000 योट्टा डेटा सर्विसेज, टाटा कम्युनिकेशंस और मैनेज्ड सर्विस प्रोवाइडर्स के जरिए पहले से ही अवेलेबल हैं। वहीं बचे हुए 4,000 तक्कखरीदे जाने हैं और उम्मीद है कि जियो प्लेटफॉर्म्स डेटासेंटर्स जैसी कंपनियां उनका अधिग्रहण करेंगी।

सरकारी बैंकों को 2023-24 में रिकॉर्ड 1.42 लाख करोड़ मुनाफा, एनपीए 1.70 फीसदी से नीचे

मुंबई, एजेंसी। सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। इस अवधि में कुल 12 बैंकों का फायदा बढ़कर 1,42,129 करोड़ रुपये पहुंच गया। इन बैंकों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। 2021-22 में यह आंकड़ा 66,540 करोड़ रुपये था। इस दौरान सिर्फ तीन बैंकों यूको, इंडियन ओवरसीज और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में गिरावट रही। बैंकों का मुनाफा सरकार की 'चार आर' की रणनीति की वजह से बढ़ा है। इसमें एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानना, समाधान व वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय तंत्र में सुधार करना शामिल है। इस रणनीति के तहत सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच कुल 3.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बैंकों में डाली है। इससे बैंकों को मदद मिली है। दूसरी वजह है...लगातार वसूली और बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में कमी करना है। इसका असर यह हुआ कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सभी बैंकों का शुद्ध एनपीए घटकर 1.70 फीसदी के स्तर से नीचे आ गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे 0.20 फीसदी रहा, जबकि पंजाब एंड सिंध बैंक का एनपीए सर्वाधिक 1.63 फीसदी रहा। कुल लाभ में करीब आधा हिस्सा एसबीआई का रहा। बैंक ने 2023-24 में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो 2022-23 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा 18,676 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर केनरा बैंक का लाभ 37 फीसदी बढ़कर 14,554 करोड़ पहुंच गया। पंजाब नेशनल बैंक ने 8,245 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि इंडियन बैंक का लाभ 52 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ पहुंच गया।

होली है...

फैशन डिजाइन इंस्टीट्यूट निफ्ट में छात्राओं ने अवकाश से पहले जमकर होली खेली। फोटो : निर्मल व्यास

बालकनी में रखा महिला का मोबाइल चोरी

भोपाल। ऐशबाग थानांतर्गत गोविंद गार्डन स्थित अमृत अपार्टमेंट में रहने वाली सीमा अग्रवाल का एक मोबाइल फोन चोरी चला गया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 24 हजार रुपए बताई गई है। सीमा ने अपना मोबाइल मकान की बालकनी के पास रखा था। देर शाम देखा तो मोबाइल गायब हो चुका था। इधर कमला नगर थानांतर्गत कोटरा में रहने वाले यश बिहारी के खुले कमरे से बदमाश चार लैपटाप चोरी कर ले गए। चोरी गए लैपटाप की कीमत 50 हजार रुपए बताई गई है। यश यहां अपने दोस्तों के साथ रहकर पढ़ाई करता है।

डीजीपी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

महिलाओं से *अभद्रता* करने वालों पर कठोर कार्रवाई करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में समस्त एडीजी/आईजी, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं इंदौर, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। बैठक में स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी तथा एडीजी इंटेलिजेंस योगेश देशमुख और आईजी लॉ एंड ऑर्डर अंशुमान सिंह भी उपस्थित रहे।

सौहार्द के साथ मनाए जाएं सभी त्यौहार डीजीपी मकवाणा ने कहा कि प्रदेश भर में आयोजित होने वाले त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थल पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम/नगर रक्षा समिति तथा ग्राम

कोटवारों का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। महिला सुरक्षा के प्रति सजग रहे पुलिस डीजीपी मकवाना ने कहा कि त्योहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। अवैध शराब कारोबारियों और असामाजिक तत्वों पर रखें विशेष नजर रखी जाए। उन्होंने बल देते हुए कहा कि होली और रंगपंचमी पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। उन्होंने कहा कि अवांछित तत्वों के विरुद्ध कड़ी निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। सभी संवेदनशील क्षेत्रों व हॉट स्पॉट की लिस्ट बनाकर वरिष्ठ अधिकारी खुद उनका भ्रमण करें व सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थलों और मिली-जुली आबादी वाले क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करें। उन्होंने सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के जरिये निगरानी और प्रमुख स्थानों पर डायल 100 की पीआरवी को मुस्तैद किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही माइनर एक्ट, अवैध शराब, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों पर भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संवेदनशील क्षेत्रों पर रखें विशेष निगरानी डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि विगत वर्षों जिन स्थानों पर सांप्रदायिक घटनाएं एवं विवाद की परिस्थितयां बनीं हैं, उन सभी संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर उनकी विशेष निगरानी की जाए। विशेषकर शरारती तत्वों और उपद्रव फैलाने वाले लोगों की पहचान पहले ही कर ली जाए और उन पर विशेष नजर रखी जाए। होली के दौरान होने वाले विवादों को थाना स्तर पर निराकृत करने का प्रयास करें। होली पर निकलने वाले जुलूस के मार्गों को चिह्नांकित कर, यहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करें। इस दौरान पुलिस की निगरानी के लिए वीडियोग्राफी करें, इसके लिए ड्रोन की भी प्रयोग करें।

समरधा में कलियासोत पुलिया के पहले हुआ हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नर्सदापुर रोड पर समरधा गांव में कलियासोत नदी पुल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार उछलकर बाइक से काफी दूर जा गिरा था। इस हादसे में उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। उसका सिर से भेजा बाहर निकल आया था। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि कलियासोत नदी के पुल के पास नर्मदापुरम रोड पर एक्सीडेंट हो गया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो रोड पर एक बाइक पड़ी हुई थी जबकि करीब बीस मीटर की दूरी पर एक युवक की लाश थी। मृतक की तलाशी लेने पर केवल मोबाइल मिला था वह भी लॉक था। पुलिस ने मोबाइल की सिम अपने मोबाइल में डाली और किसी तरह उसका नाम पता निकाला। इसके बाद पुलिस गैरतगंज के गांव सगौर पहुंची और मृतक की पहचान कर ली। मृतक सीताराम मरकाम पिता स्वर्गीय रतनलाल मरकाम (24) निवासी गांव सगौर थाना गैरतगंज के रूप में कर ली गई। सीताराम मलकाम भोपाल में रहता था और सेंटरिंग का काम करता था। कल रात वह कहां जा रहा था किसी को इसकी जानकारी नहीं है।

बस में सफर के दौरान बिगड़ी छात्रा की तबीयत, मौत

भोपाल। इंदौर से मैहर जा रही एक छात्रा की बस में सफर के दौरान तबीयत बिगड़ गई। बस कर्मचारियों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। परिजनों के भोपाल पहुंचने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक मैहर निवासी निकिता शर्मा (19) इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। होली के त्यौहार पर छुट्टी होने के कारण वह बस से घर लौट रही थी। मंगलवार देर रात सफर के दौरान अचानक उसको घबराहट होने लगी। बस ड्रायवर और कंडक्टर ने फौरन बस रोकी और निकिता को इलाज के लिए विद्या नगर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतका के परिजन भोपाल के लिए रवाना हो गए हैं। उनके यहां पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

40 किलोमीटर का फ्लैग मार्च, चालीस वाहनों में सवार थे 300 पुलिस कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंगलवार की शाम को करीब 40 किलोमीटर के दायरे में फ्लैगमार्च निकाला गया। चालीस से ज्यादा चार पहिया वाहनों में सवार 300 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने फ्लैगमार्च किया।

फ्लैग मार्च का शुभारंभ पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त रियाज इकबाल, पुलिस उपायुक्त जितेंद्र सिंह पवार, पुलिस उपायुक्त संजय सिंह, पुलिस उपायुक्त संजय अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियों और जवानों के साथ लाल परेड मैदान से किया गया। लाल परेड मैदान से प्रारंभ होकर प्लैगमार्च लिली टॉकीज तिराहा, जिंसी तिराहा, बोगदा पुल होते हुए प्रभात चौराहा से अशोक गार्डन, 80 फीट रोड, भारत टॉकीज ओवर ब्रिज, संगम टॉकीज तिराहा, काली मंदिर, चार बत्ती चौराहा, रेतघाट, रॉयल मार्केट तिराहा, लालघाटी चौराहा होते हुए वापस रेतघाट, पॉलीटेक्निक चौराहा, राजभवन तिराहे होते हुए लाल परेड ग्राउंड पर समाप्त हुआ। इसमें आरएएफ, क्यूआरएफ, एसएएफ के साथ ही थाना प्रभारी, थानों का बल, रक्षित केंद्र, यातायात का बल समेत 300 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित रहे।

फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आगामी त्यौहार होलिका दहन, धूलहेंडी, रंगपंचमी, रमजान, ईद-उल-फितर, चैत्र नवरात्र इत्यादि त्यौहारों के दौरान शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना तथा गुंडों, बदमाशों तथा असामाजिक तत्वों में भय का माहौल उत्पन्न करना था, ताकि आमजन सुरक्षित महसूस करते हुए हर्षोल्लास के साथ त्यौहार का आनंद ले सकें।

शहर में आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल। अशोका गार्डन थानांतर्गत एकतापुरी से मनोज विश्वकर्मा और हनुमानगंज थानांतर्गत लियाकत मार्केट से नवेद खान की स्कूटर चोरी चली गई।

इसी प्रकार पिपलानी स्थित पोस्ट आफिस के सामने से वीरेंद्र कुमार सोनी, कोतवाली स्थित नूरमहल रोड से दाउद अली, पटेल नगर कालोनी मंगलवारा से श्रवण सिंह और कलिया सोत डेम के पास चूनाभट्टी से सुनील शाक्यवार की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

शराब गोदाम पर क्राइम ब्रांच का छापा होली पर बेचने के लिए रखी शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी की क्राइम ब्रांच ने बीती रात शाहजहांनाबाद स्थित एक युवक के घर पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से 315 लीटर अवैध शराब जब्त की है। आरोपी युवक ने उक्त शराब होली के लिए संग्रहित की थी, जिसे गोदाम बनाकर रखा गया था। कई अन्य इलाकों में भी अवैध शराब के साथ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार होली का त्यौहार नजदीक आते ही शराब तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि

शाहजहांनाबाद थानांतर्गत मजदूर नगर में रहने वाला एक व्यक्ति होली पर बेचने के लिए बड़ी मात्रा में शराब अपने घर पर रखे हुए है। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम रात करीब डेढ़ भेज मौके पर पहुंची और बताए गए मकान पर दबिश दी। टीम ने यहां से कुल 315 लीटर अवैध शराब जब्त की है, जिसकी कीमत करीब दो लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में शराब एकत्र करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। एडिशनल डीसीपी चौहान ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में उसने शराब किन-किन दुकानों से खरीदी है। जिन दुकानों से शराब खरीदी गई है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इधर कटारा हिल्स पुलिस ने संत आसाराम नगर गेट के पास वीरेंद्र चौधरी और भगवती नगर झुग्गी बस्ती के पास दिनेश पाल को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 10 हजार पांच सौ रुपए की अवैध शराब जब्त की गई है। इसी प्रकार हबीबगंज पुलिस ने मल्टी श्याम नगर से अयान शेख, बैरसिया पुलिस ने ग्राम सोहाया जोड़ के पास रानीबाई कंजर, ईंटखेड़ी पुलिस ने मुस्कान ढाबा के पास सुनील वंशकार और नजीराबाद पुलिस ने गल्ला मंडी के पास अमरसिंह बंजारा को अवैध शराब के साथ पकड़ा। आरोपियों के पास से हजारों रुपये की अवैध शराब जब्त हुई है। सभी मामलों में आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मेट्रो एंकर बदली रहेगी ट्रेफिक व्यवस्था

जम्बूरी मैदान में आज शाम वीवीआईपी जमावड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जम्बूरी मैदान में आज शाम पूर्व सीएम शिवराज सिंह के पुत्र का विवाह समारोह आयोजित है। इस कार्यक्रम में भोपाल शहर और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में अतिथियों और वीवीआईपी लोगों को शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और आम लोगों की सुविधा को देखते हुए जम्बूरी मैदान के आसपास का यातायात परिवर्तित रहेगा। वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान गोविंदपुरा टर्निंग, अन्ना नगर, सद्भावना चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, सेंट जेवियर स्कूल,

अवधपुरी तिराहे तक मार्ग पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहेगा। इन मार्गों से होगा आवागमन अवधपुरी से बीकानेर मिष्ठान भंडार, सुरभि इंक्लेव, रिषिपुरम चौराहा, चर्च चौराहा, विजय मार्केट, श्रीकृष्ण मंदिर, बरखेड़ा, गुलाब उद्यान, मस्जिद तिराहा, डीआरएम ऑफिस, हबीबगंज नाका अथवा हबीबगंज अंडरब्रिज से 10 नम्बर मार्केट की ओर आवागमन किया जा सकेगा। पिपलानी/ अयोध्या नगर से आने वाले वाहन जेके रोड, आईटीआई तिराहा, प्रभात चौराहा से आवागमन कर सकेंगे।

वहीं गोविंदपुरा टर्निंग से अवधपुरी की ओर जाने वाले यातायात को सांची डेयरी कट पाइंट से कस्तूरबा अस्पताल के आगे, गुलाब उद्यान रोड, विजय मार्केट, बरखेड़ा पठानी होकर आवागमन कर सकेंगे। अन्नानगर से अवधपुरी की ओर जाने वाला यातायात कस्तूरबा अस्पताल से गुलाब उद्यान रोड होकर जाएगा। इसी प्रकार रायसेन रोड से इंद्रपुरी, भेल गेट नंबर 3, स्टेट बैंक से गुरूद्वारा चौराहा, विजय मार्केट, बरखेड़ा पठानी (लाल बहादुर शास्त्री चैराहा) होकर आवागमन किया जा सकेगा।

चोरी की 3 स्कूटरों के साथ बदमाश अरेस्ट

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की तीन स्कूटर और एक कार्यालय का ताला तोड़कर चोरी किए गए नकद रुपये जब्त किए हैं। आरोपी से बरामद हुए माल की कुल कीमत ढाई लाख रुपए बताई गई है। जानकारी के अनुसार इंद्रविहार कालोनी में रहने वाली अनुभा आचार्य के कार्यालय का ताला तोड़कर चोर नकदी और अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो एक संदेही टूटी हुई नंबर प्लेट के साथ स्कूटर चलाते हुए कई बार कैमरे में कैद हुआ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022